दैनिक पंचांग

सूर्योदयः 05:56 ए एम
सूर्यास्तः 06:47 पी एम
तिथिः दशमी - 08:45 पी एम तक
नक्षत्रः श्रवण - 07:36 ए एम तक
क्षय नक्षत्रः धनिष्ठा - 05:51 ए एम
योगः साध्य - 06:33 ए एम तक
क्षय योगः शुभ - 03:23 ए एम, अप्रैल 16 तक
पक्षः कृष्ण पक्ष
वारः शनिवार

Digital Edition

हिन्दी दैनिक

झारखण्ड देखो

खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

www.jharkhanddekho.com • वर्ष 3 • अंक 106 • पृष्ठ 8 • दुमका, शनिवार 15 अप्रैल 2023 • मूल्य 2 रुपये Email - Jharkhanddekho@gmail.com | epaper - Jharkhanddekho.com

संक्षिप्त समाचार

अतीक का कबूलनामा- मैंने जेल में रची उमेश पाल की हत्या की साजिश

लखनऊ/एजेंसी। कई मीडिया रिपोर्ट्स में अतीक की रिमांड कॉपी में लिखी बातें सामने आ रही हैं। इसमें बताया जा रहा है कि अतीक ने कबूल कर लिया है कि उसी ने जेल में बैठकर हत्या की साजिश रची थी। उसने शाइस्ता को भी नया मोबाइल और सिम लेने को कहा था। इसके साथ ही दावा किया जा रहा है कि अतीक ने कहा है कि उमेश पाल के अंगरक्षकों पर जो हमला हुआ उसकी पहले से तैयारी कर ली गई थी। यह पहले से तय था कि पहले गनर को गोली मारी जाएगी फिर उमेश पाल को। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा, पहले दिन से इखढ चुनाव को देखते हुए एनकाउंटर कर रही है। मैं इखढ से पूछना चाहता हूं कि जिन अधिकारियों ने एक ब्राह्मण मां-बेटी पर बुलडोजर चलाया उन्हें क्यों नहीं मिट्टी में मिलाया? यूपी एसटीएफ ने एनकाउंटर की एफआईआर दर्ज कराई है और बताया है कि उन्हें मुखबिरों से असद के होने की सूचना मिली थी।

बंगाल समेत 4 राज्यों के कुछ हिस्सों के लिए 'लू' की दी गयी चेतावनी

नयी दिल्ली/एजेंसी। पश्चिम बंगाल के मैदानी हिस्से, ओडिशा, आंध्र प्रदेश और बिहार के कुछ भागों में अगले तीन से चार दिनों तक 'लू' की स्थिति रह सकती है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बृहस्पतिवार को यह पूर्वानुमान जारी किया। इससे पहले, अप्रैल की शुरुआत में मौसम विभाग ने उत्तर-पश्चिम के कुछ भाग और प्रायद्वीपीय क्षेत्रों को छोड़कर देश के अधिकतर हिस्सों में अप्रैल से जून तक अधिकतम तापमान सामान्य से ऊपर रहने का पूर्वानुमान जताया था। इस अवधि में मध्य, पूर्वी और उत्तर-पश्चिमी भारत के ज्यादातर हिस्सों में सामान्य से ज्यादा दिनों तक लू चलने की भी आशंका है। आईएमडी के मुताबिक, पश्चिम बंगाल के मैदानी भागों के अलग-अलग हिस्सों में सोमवार (17 अप्रैल) तक, उत्तर तटीय आंध्र प्रदेश और ओडिशा में शनिवार (15 अप्रैल) तक तथा बिहार में शनिवार से सोमवार (15 से 17 अप्रैल) तक लू चलने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, मध्य और उत्तर प्रायद्वीपीय भारत में मौजूदा समय में अधिकतम तापमान 40 से 42 डिग्री सेल्सियस के बीच रह रहा है।

बिजनेस

बीएसई सेंसेक्स
59,832.97+143.66 (0.24%)

निफ्टी
17,599.15+42.10 (0.24%)

पीएम मोदी ने असम में दी 14,300 करोड़ की सौगात, गुवाहाटी में एम किया उद्घाटन

नई दिल्ली/एजेंसी।

पीएम नरेंद्र मोदी आज असम दौरे पर हैं, जहां उन्होंने राज्य को 14 हजार 300 करोड़ रुपये की सौगात दी है. उन्होंने पूर्वोत्तर भारत को पहला अक्वाटर और तीन मेडिकल कॉलेजों की सौगात दी है. उन्होंने कहा कि पिछले 9 वर्षों में नॉर्थ ईस्ट की कनेक्टिविटी को लेकर काफी चर्चा हुई है. आज जो भी यहां आता है, वह यहां की तारीफ किए बिना नहीं रहता. उन्होंने कहा कि यहां पर सोशल इंफ्रास्ट्रक्चर पर काम किया गया है. यहां पर एजुकेशन और मेडिकल क्षेत्र में काफी काम किया गया है. आज यहां पर एक एम्स और तीन मेडिकल कॉलेज का उद्घाटन करने का सौभाग्य मिला. पीएम मोदी ने कहा कि उत्तर पूर्व के विकास की चर्चा पर कुछ लोगों को तकलीफ होती है. इन लोगों को क्रेडिट की चिंता होती है. क्रेडिट के भूखे लोगों को नॉर्थ ईस्ट दूर लगता था. एक परायेपन का भाव उन्होंने ही पैदा किया. पीएम मोदी ने कहा कि वर्तमान सरकार सेवा भाव से काम कर रही है.

पीएम ने कहा कि दिल्ली का एम्स 50 के दशक में बना था. देश के कोने-कोने से लोग आकर इलाज कराते थे. अटल जी की सरकार ने इस बारे प्रयास किया कि अन्य जगहों पर एम्स खोले जाएं, लेकिन बाद में सब ठप पड़ गया, जो एम्स खोले गए वे सुविधा के अभाव में काम कर रहे थे. हमने 15 एम्स पर काम किया. पहले की सरकारों की नीतियों की वजह से हमारे यहां डॉक्टरों और मेडिकल प्रोफेशनलों की कमी रही है. यह कमी क्वालिटी हेल्थ सर्विस का रोड़ा थी इसलिए वर्तमान सरकार ने मेडिकल इंफ्रास्ट्रकचर और प्रोफेशनल बढ़ाने पर काम किया है.

पीएम ने कहा कि 2014 से पहले 10 सालों में 150 मेडिकल कॉलेज बने, लेकिन हमारी सरकार में 300 से ज्यादा मेडिकल कॉलेज बने हैं.

उधमपुर में बैसाखी मेले के दौरान बड़ा हादसा

चिनैनी में टूटा पुल, 50 से ज्यादा लोग घायल

उधमपुर/एजेंसी।

जम्मू संभाग के जिला उधमपुर बैसाखी के पर्व पर बड़ा हादसा हो गया है। जिले के चिनैनी में बैसाखी मेले के दौरान पुल टूट गया। देविका और तवी नदी के संगम स्थल बैनी संगम में बैसाखी का मेला आयोजन किया गया था। यहां हजारों की संख्या में लोग पहुंचे हुए थे।

इस दौरान देविका नदी पर बना लोहे का पुल क्षतिग्रस्त हो गया। बताया जा रहा है कि इस हादसे में 50 से ज्यादा लोग घायल हो गए हैं। आनन-फानन घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है। एसएसपी उधमपुर डॉ. विनोद ने बताया कि पुलिस और अन्य बचाव दल मौके पर हैं। रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है। पुंछ में पशुशाला की छत गिरने से 35 महिलाएं घायल, शोकाकुल परिवार में हुई थीं एकत्रित इससे पहले गुरुवार को पुंछ के गांव खनेतर में एक पशुशाला के छत गिरने से 35 महिलाएं घायल हो गई हैं। लोगों ने उन सभी घायलों को राजा सुखदेव सिंह जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां तीन महिलाओं का गंभीर चोटें आने के कारण उपचार जारी है। जबकि, बाकी सभी महिलाओं को मरहम पट्टी कर देर शाम तक घर भेज दिया गया। हादसे का पता चलते ही उपायुक्त इन्द्रजीत, तहसीलदार अंजुम बशीर खटक और एसएचओ रंजीत सिंह राव भी अस्पताल पहुंचे। उन्होंने घायलों का हाल जाना।

जानकारी के अनुसार खनेतर निवासी रफीक हुसैन शाह का पुत्र रिफत करीब एक महीने से किसी गंभीर रोग से पीड़ित था। उसका उपचार कश्मीर के एक अस्पताल में चल रहा था। बुधवार दोपहर उपचार के दौरान उसका निधन हो गया था। वीरवार आज सुबह चार बजे उसका शव घर लाया गया तो रिश्तेदारों एवं ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई। इस बीच दोपहर करीब 11 बजे जब रिफत का जनाजा निकाला तो पुरुष जनाजे के साथ चल दिए। ऐसे में घर में मौजूद सैकड़ों महिलाएं घर के आगे स्थित पशुशाला के लिंटर पर जनाजा देखने जमा हो गईं। पशुशाला का लिंटर पुराना एवं कच्चा था तो एक साथ अधिक भार पड़ने से भरभरा कर गिर गया। इससे लिंटर पर मौजूद महिलाएं एक के ऊपर गिरीं।

Dipendra Singh
9335448671

R.K. Choudhary
8384831556

RK marbles & tiles

मार्बल & ग्रेनाइट

राजस्थान वाले

रेलवे स्टेशन के सामने, रिंग रोड, दुमका (झारखंड)

संक्षिप्त समाचार

अज्ञात अपराधियों ने भारत की कंपनी के एजेंटों से लूट मामले का उद्भेदन, एक गिरफ्तार

दुमका । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। जिले के रामगढ़ थाना क्षेत्र के दामोडीह डंगल के साथ जुड़े अज्ञात अपराधियों ने भारत की कंपनी के एजेंटों से 65000 रूपया एवं कम्पनी का मोबाइल टैब तथा वादी का मोबाईल लूटने, डैकती की घटना को अंजाम दिया गया था। इस मामले में पीड़ित के बयानों पर मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया। केस को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अंबर लाकड़ा के निर्देश पर जरमुंडी स्टेट्स पीओ शिवेंद्र के नेतृत्व में टीम बनाई गई। तकनीकी शाखा की मदद से विकास राज हेंब्रम को पुलिस ने हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की. पूछताछ के क्रम में उसने अपने अपराध को स्वीकार कर लिया और कांड में अन्य लोगों का भी नाम बताया। कांड में शामिल और अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार निगरानी कर रहा है। घटना में शामिल होने का गुट, लूटा गया टैब ओर घटना में व्यक्तिगत मोटरसाइकिल भी बरामद कर लिया है।

इसकी जानकारी सीधे शिवेंद्र ने रामगढ़ थाना परिसर में शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। प्रेस कांफ्रेंस के बाद अपराधियों को जेल भेजा गया।

झामुमो ने मनाया भारतीय संविधान के जनक बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती

दुमका । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) । भारतीय संविधान के जनक बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर स्थानीय डीसी चौक स्थित अंबेडकर चौक पर उनकी प्रतिमा पर शुक्रवार को झामुमो कार्यकर्ताओं ने माल्यार्पण किया। इस मौके पर शिकारीपड़ा के विधायक नलिन सोरेन, बार काउंसिल के अध्यक्ष विजय सिंह , नगर प्रभारी श्री रवि यादव , शिवेंदु चक्रवर्ती,असीम मंडल, विजय मल्लाह, पराक्रम शर्मा, साकेत कुमार गुप्ता, शान सिंह राजपूत, बंटी कुमार, इनायत करीम, मो कैश, मो सोनम, इंदु चौबे, गीता देवी, कृष्णा देवी,अमर यादव, ज़फर सलीम,पीयूष कुमार, मनोज रजक, रंजीत साह, कुमार सोनू, सौरभ बैरा इत्यादि समेत दर्ज़नों झामुमो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

समाजिक न्याय और समाजिक समरसता के मजबूत स्तंभ थे बाबा साहब - राजद

- **राजद ने मनायी बाबा साहब की 132 वीं जयंती**

दुमका । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) । राष्ट्रीय जनता दल ने बाबा साहब डॉ भीम राव अम्बेडकर की 129 वीं जयंती के उपलक्ष में अनुमंडल अध्यक्ष जीतेश कुमार दास के नेतृत्व में राजद कार्यकर्ताओं ने डीसी चौक स्थित डॉ अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर जयंती मनाई।

जीतेश दास ने कहा कि डॉ अम्बेडकर समाजिक न्याय और समाजिक समरसता के सिद्धांत का एक मजबूत स्तम्भ थे। उन्होंने हमेशा अन्याय के खिलाफ आवाज उठाते हुए समाज के सभी वर्ग के लोगों को बराबरी का अधिकार दिलाया।

अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष बाबूराम हांसदा ने कहा कि आज देश के करोड़ों दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों और वंचित समाज के मसीहा और संविधान के निर्माता डॉ बीआर अंबेडकर की जयंती के शुभ अवसर पर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित कर रहे हैं। मौके राजद के नगर अध्यक्ष कंचन यादव, दुमका प्रखंड अध्यक्ष पंकज यादव, जुलकर अंसारी, शेष यादव, ब्रजेश दर्वे सहित कई लोग मौजूद थे।

सामाजिक न्याय के लिए आंदोलन जारी रहेगा-राजद

पिछड़ी जाति को आरक्षण दिलाने की मांग लेकर बाबा साहब की जयंती पर राजद ने दिया सांकेतिक धरना

जेवीएम के पूर्व प्रखंड अध्यक्ष प्रमुख मरीक ने थामा लालटेन

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

दुमका/जरमुंडी। संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के 132 वीं जयंती के मौके पर राष्ट्रीय जनता दल जरमुंडी प्रखंड इकाई ने प्रखंड क्षेत्र के मदनपुर स्थित बाबा साहब की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। तत्पश्चात कार्यकारी प्रखंड अध्यक्ष अजीत यादव के अध्यक्षता में एक दिवसीय सांकेतिक धरना प्रदर्शन का कार्यक्रम किया गया। जिला अध्यक्ष प्रमोद पंडित ने कहा कि झारखंड सरकार ने राज्य गठन के बाद से ही पिछड़ों का जिला रोस्टर में आरक्षण सुनने कर दिया गया है वर्तमान सरकार ने पिछड़ों को आरक्षण देने का वादा किया था उसके बावजूद फिर

से पिछड़े वर्ग के लोगों के साथ छल करते हुए दुमका जिला में पिछड़ी जाति का जिला रोस्टर में आरक्षण शून्य कर दिया गया। राष्ट्रीय जनता दल के कार्यकर्ता ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा कर अपने अधिकार के प्रति लोगों को जागरूक कर एकजुट करते हुए आने वाले दिनों में बड़े आंदोलन की रूपरेखा तय करेगी। उन्होंने बताया कि राजद का आज से सदस्यता अभियान का फेज टू प्रारंभ किया जा रहा है।

अनुमंडल अध्यक्ष जितेश कुमार दास ने कहा कि बिहार सरकार के तर्ज पर झारखंड सरकार भी यहां जातिगत जनगणना करा कर सभी जातियों को आबादी के हिसाब से आरक्षण की सुविधा बहाल करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि बाबा साहब के आदर्शों को अपनाने की आवशचकता है। प्रखंड कार्यकारी अध्यक्ष अजीत यादव ने कहा कि जरमुंडी को अभिलंब अनुमंडल का दर्जा देते हुए सारी सुविधाएं बहाल किया जाना चाहिए। दुमका नगर अध्यक्ष कंचन यादव ने कहा कि जब तक पिछड़ा वर्ग को दुमका में 27 प्रतिशत आरक्षण सरकार नहीं देती है तब तक क्रमबद्ध तरीके से राजद का आंदोलन जारी रहेगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव के आदर्श एवं युवा नेता तेजस्वी यादव के क्रियाकलापों से प्रभावित होकर जेवीएम के पूर्व प्रखंड अध्यक्ष प्रमुख मरीक ने अपने दर्जनों समर्थकों के साथ राजद की सदस्यता ग्रहण किया। जिला अध्यक्ष प्रमोद पंडित ने उसे सदस्यता ग्रहण कराया। प्रमुख मरीक ने कहा कि राजद ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जो सामाजिक न्याय एवं पिछड़ों के हक और अधिकार की बात करती है। आने वाले समय में राजद एक मजबूत विकल्प के रूप में उभर कर सामने आएगी। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जामा प्रखंड अध्यक्ष रामसुंदर पंडित, बासुकीनाथ नगर अध्यक्ष छतीश महतो, दुमका नगर अध्यक्ष कंचन यादव, दुमका प्रखंड अध्यक्ष पंकज यादव, सरैयाहाट के अमरेंद्र यादव, बलराम यादव, अर्जुन कुमार शर्मा, निवास कुमार यादव, गोपेश्वर यादव, मयंक रंजन, चंदन राउत, अनिल राउत, प्रदीप कुमार राउत, सीताराम मांझी, शंभू राउत, जय कांत कुमार , अनमोल कुमार यादव, मुन्ना कुमार यादव, दीपक कुमार यादव, मुकेश राउत, दीपू कुमार यादव, प्रकाश यादव, पंकज कुमार, मनोज यादव, उपेंद्र मांझी, कुंदन यादव सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे।

बाबासाहेब ने सामाजिक असमानता के उन्मूलन के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया-डॉ सत्येन्द्र

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

दुमका । शुक्रवार को प्लस टू जिला स्कूल,दुमका में प्रभारी प्राचार्य डॉ सत्येन्द्र कुमार सिंह के नेतृत्व में भारतीय संविधान के शिल्पकार भारत रत्न बाबासाहेब डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर विद्यालय परिवार के सदस्यों ने बाबासाहेब के फोटो पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उनको नमन किया। बाबासाहेब को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए प्रभारी प्राचार्य डॉ सत्येन्द्र कुमार सिंह ने कहा कि भारत रत्न बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाना विद्यालय परिवार के लिए गौरव की बात है। डॉ0 सत्येन्द्र ने कहा कि भारतीय संविधान को विश्व का सर्वश्रेष्ठ

संविधान बनाने में बाबासाहेब की प्रमुख योगदान है। बाबासाहेब डॉ भीमराव अंबेडकर एक प्रसिद्ध राजनेता,लेखक,दार्शनिक, न्यायविद एवं समाजसुधारक थे।बाबासाहेब ने सामाजिक असमानता के उन्मूलन के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिए।

पूर्व प्रभारी प्राचार्य दिलीप कुमार झा ने कहा कि बाबासाहेब सामाजिक समरसता के प्रबल समर्थक थे। श्री दिलीप ने कहा कि बाबासाहेब ने भारत के संविधान निर्माण में अहम भूमिका निभाई, जिसके चलते उन्हें संविधान का जनक भी कहा जाता है। मौके पर उपस्थित पूर्व प्रभारी प्राचार्य दिलीप कुमार झा, शिक्षक संजय कुमार सिन्हा विजय कुमार दूबे,लखी टुडू, रामप्रसाद यादव,अर्चना कुमारी, विद्यासुन्दर नन्दी,पार्थ प्रतिम कुण्डू,प्रकाश कुमार घोष,शिवराम सिमोन टुडू,सुशीला किस्कू,अंजू एलीना किस्कू, राजेश कुमार साह,दिलीप कुमार,तरन्नुम परवीन, हरेकृष्ण झा,सुचरिता मित्रा,सुबोध कुमार मण्डल, आराधना कुमारी शिक्षणेत्तर कर्मचारी गुलशन सोरेन एवं सन्नी कुमार ने भी बाबासाहेब के फोटो पर पुष्प अर्पित कर नमन किए।

भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 132वीं पर कन्वेंशन सेंटर दुमका में सेमिनार

दुमका । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 132वीं जयंती के अवसर पर गुरुवार को कन्वेंशन सेंटर दुमका में सेमिनार एवं सरकार से संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं का उन्मुखी कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान विभिन्न विषयों पर परिचर्चा आयोजित की गई। परिचर्चा के दूसरे सत्र में डॉ कल्याण कुमार दास ने वर्तमान समय में बाबा साहेब के विचारों की प्रासंगिकता विषय पर अपने विचारों को रखा। उन्होंने कहा कि जातिवाद के खिलाफ आपका तर्क विचार मजबूत होना चाहिए, तभी संवाद कर जवाब दे सकते हैं। यही सभी सवालों का जवाब बाबा साहेब के लेखनी में छिपा है। डॉ भीमराव अम्बेडकर की किताब अन्निहिलेशन ऑफ कास्ट के बारे में विस्तार से बताया।

लूट, छिनतई एवं हत्या समेत कई आपराधिक मामलों का नामजद आरोपी रिजवान अंसारी उर्फ राजेश गिरफ्तार

पुलिस अधीक्षक अंबर लकड़ा को मिली गुप्त सूचना पर रानीश्वर थाना पुलिस ने किया गिरफ्तार

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

रानीश्वर(दुमका)। पुलिस अधीक्षक अम्बर लकड़ा को मिली गुप्त सूचना पर रानीश्वर थाना पुलिस ने विभिन्न आपराधिक मामले के नामजद अपराधी रिजवान अंसारी उर्फ राजेश को गिरफ्तार कर लिया हैं । इंसपेक्टर वकार हुसैन एवं थाना प्रभारी छोटन महतो ने आज शुक्रवार को थाना में प्रेसवार्ता आयोजित कर रिजवान द्वारा अंजाम दिए गए आपराधिक मामलों एवं हत्या मामले की जानकारी दी हैंबताया कि मुफस्सिल थाना के दोमोहानी के रहने वाले रिजवान को रानीश्वर थाना क्षेत्र के बंधन बैंक के एक संग्राहक से चार हजार नगद राशि,एक लेपटॉप एवं मोबाइल छिनतई के मामले में गिरफ्तार किया गया हैं रिजवान ने अपने आपराधिक इतिहास की लिखित स्वीकारोक्ति किया है उन्होंने बताया कि उसने

सबसे पहले अपने गांव में रह कर मवेशी तस्करी का धंधा शुरू किया था वर्ष 2019 में मुफस्सिल थाना कांड संख्या 117/2021 के तहत उसके नाम पर रॉकेट बम ब्लास्ट की प्राथमिकी दर्ज हुई थी।उस मामले में उसे जमानत मिल गयी हैं । उसने स्वीकार किया हैं कि अपने दोस्तो के साथ मिलकर कई आपराधिक घटनाओं को अंजाम दिया हैं बताया कि उसने ही मुफस्सिल थाना के एक चौकीदार की हत्या की थी। बंधन बैंक के संग्राहक के साथ लूटपाट की घटना में रिजवान के साथी को पूर्व में ही गिरफ्तार कर लिया गया हैं।

लोक जनशक्ति पार्टी (आर) डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर मनाई जयंती

दुमका । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) । लोक जनशक्ति पार्टी(आर) जिला अध्यक्ष गिरधारी झा के अध्यक्षता में डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर मनाई गई हेमंत श्रीवास्तव ने कहा संविधान निर्माता डॉ.भीमराव वह हमेशा उत्पीड़ितों के साथ एकजुटता से खड़े रहे और महिलाओं, मजदूरों और अछूतों के जीवन के उत्थान के लिए काम किया। एक प्रखर समाज सुधारक, अर्थशास्त्री और प्रभावशाली वक्ता होने के साथ-साथ डॉ. अम्बेडकर राजनीति विज्ञान, कानून और अर्थशास्त्र जैसे विभिन्न विषयों के विद्वान भी थे। गिरधारी झा ने अपनी संबोधन में कहां डॉक्टर भीमराव अंबेडकर का व्यक्तित्व बहुमुखी विशेषताओं का अद्भुत संगम था बाबा साहब एक कुशल संविधानवेता, न्यायविद सामाजिक शिक्षाशास्त्री, प्रेरणा पुरुष और राष्ट्रवादी होने के साथ-साथ एक विद्वान साहित्यकार भी थे! कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित संथाल परगना प्रभारी मनोज कुमार राय प्रदेश महासचिव हेमंत श्रीवास्तव प्रदेश सचिव मोहन कुमार साह प्रदेश सचिव चंद्रशेखर राय पूर्व जिला अध्यक्ष दिलीप शर्मा नगर अध्यक्ष कृष्णा झा पवन कुमार साह रामानंद यादव युवा जिला अध्यक्ष राजीव गुप्ता दीनू बनर्जी बाबू झा लखन ठाकुर मुन्ना ठाकुर आदि उपस्थित थे।

जिले के सभी प्रखंड में भारतीय संविधान के शिल्पकार भारतरत्न बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर की 132 वीं जयंती धूमधाम से मनाया गया

डीसी- एसपी व डीडीसी, बीडीओ, सीओ, थाना प्रभारी ने डॉ भीमराव अंबेडकर प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़/अमड़ापाड़ा/हिरनपुर/लिट्टीपाड़ा । संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर डीसी-एसपी व डीडीसी सहित अन्य पदाधिकारियों ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया. शहर के अंबेडकर मोड़ स्थित बाबा साहेब की प्रतिमा पर उपायुक्त वरुण रंजन, पुलिस अधीक्षक एच.पी जनार्दनन, उप विकास आयुक्त मो शाहिद अख्तर, अनुमंडल पदाधिकारी हरिवंश पंडित, विशेष कार्य पदाधिकारी विकास कुमार त्रिवेदी, कार्यपालक दंडाधिकारी प्रमोद कुमार दास, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ चंदन, नगर परिषद अध्यक्ष संपा साह, जिला पंचायत राज पदाधिकारी महेश राम, नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी कोशलेश यादव आदि ने माल्यार्पण किया। मौके पर उपायुक्त वरुण रंजन ने कहा कि संविधान निर्माता, भारत रत्न और विश्व विभूति डॉ अंबेडकर केवल एक जाति वर्ग के नहीं, बल्कि पूरे मानव जाति के लिए प्रेरणा के स्त्रोत हैं। बाबा साहेब मानव विज्ञानी, शिक्षक एवं अर्थशास्त्री थे। उनका सामाजिक कार्य और लोगों के उत्थान के प्रति संघर्ष अनुकरणीय है। बाबा साहेब का जीवन हम सभी लोगों के लिए प्रेरणा के स्त्रोत है। अमड़ापाड़ा प्रखंड में शुक्रवार को स्थानीय अम्बेडकर चौक में डॉ भीमराव अंबेडकर विकास विचार मंच द्वारा बाबा साहेब की 132वीं धूमधाम से जयंती मनाई गई। इस दौरान बीडीओ कुमार देवेश द्विवेदी, पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी गोपाल कृष्ण यादव, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ प्रेम कुमार मरांडी, प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी श्रीकांत ठाकुर, सेवा निवृत शिक्षक इंदु रविदास, सहित अन्य प्रशासनिक पदाधिकारियों, समाजसेवियों एवं ग्रामीणों ने भीमराव अंबेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। बीडीओ ने उपस्थित लोगों के बीच बाबा साहेब के विचारों को रखा। उन्होंने कहा कि हम सभी को संविधान निर्माता बाबा साहेब अम्बेडकर के पदचिन्हों पर चलने की आवशयकता है। थाना प्रभारी सह पुलिस इंस्पेक्टर गोपाल कृष्ण यादव ने भी अपने संबोधन में कहा की बाबा साहेब हर गरीब तबके के लोगों को अधिकार देने का काम किया है. वहीं अंबेडकर चौक पर आयोजित कार्यक्रम के बाद बीड-ीओ, थाना प्रभारी, प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी, मीडियाकर्मियों सहित आम नागरिकों ने प्रखंड कार्यालय परिसर स्थित विरासत स्मारक में स्थापित डॉ भीमराव अम्बेडकर की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। वहीं बाबा साहेब की जयंती पर डॉ भीमराव अंबेडकर विकास विचार मंच द्वारा सीएचसी में दर्जनों मरीजों के बीच फल का वितरण किया गया। मौके पर संतोष रजक, संजय रजक, राकेश दास, विनोद दास, कार्तिक कुमार, संतोष कुमार गुप्ता, पप्पू भगत, ड्रीम मेमोरियल स्कुल के डायरेक्ट मनोरंजन साहा, मंटू भगत, मनोज भगत, अमित कुमार उ×र्फ बुबू, बाबुचंद मिर्धा, प्रेम मिर्धा, मो असलम, मो जहागीर, सहित दर्जनों लोग मौजूद थे। वही हिरणपुर प्रखंड में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के 132 वां जयंती के उपलक्ष में हिरणपुर पुराना प्रखंड कार्यालय स्थित बाबा साहब के आदमकद प्रतिमा पर विभिन्न संगठन एवं पदाधिकारियों के द्वारा माल्यार्पण कर एवं केक काटकर बाबा साहब को याद किया एवं उनके द्वारा किए गए कार्य और दिखाए गए मार्ग पर लोगों ने अपने विचार को रखा। मौके पर हिरणपुर सामाजिक कार्यकर्ता विकास रविदास एवं जेएसएलपीएस बीपीएम उज्जवल रविदास अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्लस टू मॉडल विद्यालय हिरणपुर के प्रमुख सुलभ मंडल अंचलाधिकारी हिरणपुर मनोज कुमार के द्वा-रा माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पण कर बाबा साहब भीमराव को याद किए। मौके पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद हिरणपुर इकाई के पूर्व प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य विशाल भगत एवं प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अंकित साहा उपस्थित थे. जबकि हिरणपुर के युवा वर्ग एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं में विकास रविदास, मुन्ना रविदास, राजेश हेंब्रम, बरसन किस्कु, रोशन, विजय रविदास, राधेश्याम रविदास, जितेन रविदास, घाघरजानी मुखिया नायिका किस्कू, राजकुमार भगत, सुनील दे, अमित सिन्हा, पवन रविदास, जेएसएलपीएस के शंकर तिवारी, संजय पाल, विकेश हरी सहीत दर्जनों प्रबुद्ध एवं युवा वर्ग वर्ग उपस्थित थे। वहीं मौजूद सभी लोगों ने एवं कार्यकर्ताओं ने बारी बारी से बाबा साहब के प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उनको नमन किया। मौके पर उपस्थित विशाल भगत ने सबको बताया बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर ने नये भारत को एक बेहतर देश के रूप में निर्माण करने के लिए अतुलनीय अभूतपूर्व योगदान सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और धार्मिक क्षेत्रों में सुधार करके किया।

बाबासाहेब आंबेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को महू छावनी इंदौर के मध्य प्रदेश में एक अछूत मानी जाने वाली जाति महार परिवार में हुआ था उनके पिताजी रामजी राव सकपाल अंग्रेजी सेना में सूबेदार थे बाबा साहब अपने माता पिता की चौदहवीं संतान थे। इस मौके पर समाजसेवी चन्दन भगत, दुलाल दास, सूरज पंडित, अंकित ठाकुर कंचन मंडल जितेश सेन प्रीतम कुमार, देव कुमार, जेएसएलपीएस के वीपीएम उज्जवल रविदास, विकास रविदास ने भी अपना विचार रखा। वही लिट्टीपाड़ा प्रखंड में संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर की 132 वीं जयंती के मौके पर शुक्रवार को प्रखण्ड परिसर में स्थित डॉक्टर भीमराव अम्बेदकर के आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया. इस मौके पर बीडीओ संजय कुमार सहित दर्जनों जनप्रतिनिधि, समाज सेवी एवं स्कूली बच्चों के द्वारा पुष्प अर्पित कर नमन किया. बीडीओ ने बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर के जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि डॉ.बी.आर अंबेडकर एक प्रसिद्ध राजनीतिक नेता,दार्शनिक, ले-खक, अर्थशास्त्री, न्यायविद्, बहु-भाषाविद्,धर्म दर्शन के विद्वान और एक समाज सुधारक थे, जिन्होंने भारत में छूआछूत और सामाजिक असमानता के उन्मूलन के लिये अपना जीवन समर्पित कर दिया। उनका मानना था कि अस्पृश्यता को हटाए बिना राष्ट्र की प्रगति नहीं हो सकती है. 14 अप्रैल का दिन देश भर में अंबेडकर जयंती के तौर पर मनाया जाता है. बाबासाहब भारत में दलितों व पिछड़े वर्गों को मसीहा थे. बाबासाहेब ने भारत के संविधान निर्माण में सबसे अहम भूमिका निभाई जिसके चलते उन्हें संविधान का जनक भी कहा जाता है. वहीं कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय, लिट्टीपाड़ा की छात्राओं द्वारा कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया. कार्यक्रम में मुख्य रूप से सामाजिक कार्यकर्ता, मुखिया शिव टुडू, बीपीआरओ केसी दास नाजिर राजाराम रबिदास, वार्डेन वनिता सरकार, भारती कुमारी, एकाउंटेंट बंटी रजक सहित अन्य उपास्थित थी.

संक्षिप्त समाचार

डीसी ने ईवीएम वेयर हाउस का किया निरीक्षण

पाकुड़ । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) । उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी वरुण रंजन ने शुक्रवार को समाहरणालय में ईवीएम वेयर हाउस का निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने कहा कि ईसीआईएल हैदराबाद से पाकुड़ जिला को आवंटित वीवीपैट-1421 आ रहा है। इसके सुरक्षित रख रखाव को लेकर उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रमोद कुमार दास को जरूरी दिशा निर्देश दिया। मौके पर जिला आपूर्ति पदाधिकारी संजय कुमार दास, विशेष कार्य पदाधिकारी विकास कुमार त्रिवेदी, सभी राजनीतिक पार्टी के जिला अध्यक्ष एवं सदस्य उपस्थित थे.

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा ने बाबा साहब की प्रतिमाओ पर माल्यर्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया

दुमका । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) । बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की 132वीं जयंती भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा के जिलाध्यक्ष श्रीधर दास के नेतृत्व में डीसी चौक स्थित बाबा साहब की प्रतिमाओ पर माल्यर्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया गया माल्यार्पण के पश्चात भाजपा जिला अध्यक्ष परितोष सोरेन ने कहा सामाजिक समरसता के प्रणेता डॉ.भीमराव आंबेडकर का पूरा जीवन चरित्र हम सभी के लिए प्रेरणादायक है। उनके बताए आदर्श पर चलकर समाज मे एकता भाईचारे की मिसाल बन सकती है।उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय के प्रणेता संविधान के रचयिता न्यायविद और अर्थशास्त्री व्यक्तित्व वाले बाबा साहेब को भाजपा ने सम्मान दिया,उनको सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न से नवाजा,उनके जीवन से जुड़े स्थानों का विकास करते हुए स्थापित किया। जबकि कांग्रेस पार्टी तथा और अन्य दलों ने बाबा साहेब और उनकी विचारधारा का शोषण किया, जिस स्थान के वे हकदार थे, उससे उन्हें वंचित किया।

माल्यार्पण कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश के उपाध्यक्ष बिनोद शर्मा, जिला अध्यक्ष परितोष सोरेन ,पूर्व मंत्री डॉ लुईस मरांडी,निवर्तमान जिला अध्यक्ष निवास मंडल,अमिता रक्षित भाजयुमो जिला अध्यक्ष रूपेश कुमार मंडल,पिछड़ी जाति मोर्चा जिला अध्यक्ष पिंटू साह,जनजाति मोर्चा अध्यक्ष बिमल मरांडी, नगर अध्यक्ष पंकज वर्मा,महामंत्री दीपक स्वर्णकार, अमन राज,ओम केशरी, बिजय दास,आशीष कर्मदार, मार्शलऋषि राज टुडू,मनीष कुमार, लंबोदर दास, दिपांसु ,दीपक सिंह, प्रशांत दास, टिंकू गन,संतोष सोरेन, रवि राउत, रमेश मंडल,सोनी हेम्ब्रम, प्रिया रक्षित,अर्पणा झा आदि भाजपाई मौजूद थे।

जिलावासियों को जागरूक करने के उद्देश्य से मिजिल्स रूबेला जागरूकता रथ को डीसी-एसपी ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

पाकुड़ । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) । मिजिल्स रूबेला टीकाकरण अभियान को लेकर शुक्रवार को उपायुक्त ने सिद्धो- कान्हू मुर्मू पार्क से मिजिल्स रूबेला जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। उपायुक्त वरुण रंजन ने कहा कि पाकुड़ जिले में मिजिल्स रूबेला टीकाकरण अभियान का शुभारंभ किया गया है, जो 19 मई तक चलेगा। जिला प्रशासन का प्रयास है कि समाज के हर तबके के लोगों को जोड़ते हुए 9 माह से 15 वर्ष के शत-प्रतिशत बच्चों को मिजिल्स रूबेला के टीके से आच्छादित किया जा सके। पाकुड़ जिला अंतर्गत 3 लाख 34 हजार बच्चों को मिजिल्स रूबेला का टीका दिया जाएगा। इसको लेकर पूर्व से माईक्रो प्लान तैयार किया गया है।

शहरी क्षेत्र अंतर्गत सभी संचालित सभी सरकारी विद्यालय, निजी विद्यालय, प्ले स्कूल, आंगनबाड़ी केन्द्रो में लक्षित समूह के लिए टीकाकरण सत्र का आयोजन किया जा रहा है। जागरूकता रथ के माध्यम से जिला, प्रखंड व पंचायत स्तर पर लोगों को टीकाकरण अभियान जानकारी व बच्चों को इससे होने वाले फायदों की जानकारी से अवगत कराया जाएगा। मौके पर सिविल सर्जन डॉ मंटू कुमार टेकरीवाल, जिला आपूर्ति पदाधिकारी संजय कुमार दास, विशेष कार्य पदाधिकारी श्री विकास कुमार त्रिवेदी समेत अन्य उपस्थित थे।

डीएवी विद्यालय एवं ड्रीम मेमोरियल स्कुल में धूमधाम से बाबा साहेब की 132वीं जयंती मनायी

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ । डीएवी पब्लिक स्कूल के प्रांगण में शुक्रवार को भारतीय संविधान के निर्माता भीमराव आंबेडकर की 132वीं जयंती पूरी श्रद्धा के साथ मनाई गई। विद्यालय के सभा भवन में प्राचार्य डॉ विश्वदीप चक्रवर्ती एवं सेवाकालीन प्रशिक्षण हेतु भागलपुर से आए अतिथियों द्वारा आंबेडकर जी की तस्वीर पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किया गया। प्राचार्य डॉ चक्रवर्ती ने आंबेडकर जी के जीवनी पर प्रकाश डालते हुए उनके द्वारा निर्मित संविधान को सम्मान करने का वचन लिया। इस कार्यक्रम के पश्चात सीबीएसई द्वारा आयोजित स्ट्रेस मैनेजमेंट पर एक एकदिवसीय सेवाकालीन प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसमे पाकु-ड़, महेशपुर एवं दुमका के 70 शिक्षकों ने भाग लिया। रिसोर्स पर्सन के रूप में आए विशेषज्ञ आकांक्षा एवं कुमार पियूष ने शिक्षकों को स्ट्रेस मैनेजमेंट के बारे में गहन जानकारी दी। शिक्षकों को बताया गया की तनाव को कम करने का सबसे अच्छा तरीका अपने समय का बेहतर प्रबंधन करना है। इसके अंतर्गत अपने दैनिक दिनचर्या

को व्यवस्थित करते हुए तनाव के लिए उत्तरदाई कार्यों को नजरअंदाज किया जा सकता है। कार्यों की प्राथमिकता की सूची बनाएं। सभी कार्यों को एक ही दिन में पूरा करने का दबाव महसूस न करें। इस बात की जानकारी विद्यालय के जन संपर्क पदाधिकारी सह मीडिया प्रभारी श्री संजय कुमार यादव ने दी। वही अमड़ापाड़ा प्रखंड मुख्यालय स्थित ड्रीम मेमोरियल स्कुल में डायरेक्टर मनोरजंन साहा, प्रिंसपल आशीष रंजन के द्वारा स्कूल के प्रांगण में शुक्रवार को भारतीय संविधान के निर्माता भारत रत्न डॉ भीमराव राव आंबेडकर की 132वीं जयंती पूरी श्रद्धा के साथ मनाई गई। ड्रीम मेमोरियल सलूक के डायरेक्टर ने बच्चों को भीमराव आंबेडकर की 14 अप्रैल को जयंती होती है। डा. आंबेडकर को भारतीय संविधान निर्माता के तौर पर जाना जाता है। उनकी भूमिका संविधान निर्माण में तो अतुल्य थी ही, साथ ही दलित समाज के उत्थान में भी महत्वपूर्ण रही। उनका जन्म 14 अप्रैल 1891 में मध्य प्रदेश के महू में एक गांव में हुआ था। उस दौर में उन्हें आर्थिक और सामाजिक भेदभाव का सामना करना पड़ा। बेहद विषम परिस्थितियों में पढ़ाई करने वाले बाबा साहेब ने स्कूल में भी भेदभाव का सामना किया। डॉ. आंबेडकर का जीवन संघर्ष और सफलता की कहानी सभी के लिए प्रेरणा है। उनके विचार महिलाओं को पुरुषों के बराबर, अल्पसंख्यकों और गरीबों को अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाने के लिए प्रेरित करते हैं। संविधान निर्माणा डा भीमराव आंबेडकर की जयंती पर पढ़ें बाबा साहेब के प्रेरणादायक विचार।

जिले के विभिन्न राजनितिक दलों के भारतीय संविधान भारतरत्न बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर की 132 वीं जयंती मनाई

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ । भारतीय जनता पार्टी पाकुड़ ज़िला के द्वारा डॉ भीमराव अम्बेडकर विचार मंच पाकुड़ के तत्वावधान में भारतीय संविधान के शिल्पकार भारतरत्न बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर की 132 वीं जयंती स्थानीय अंबेडकर चौक पर मनाई गई। इस अवसर पर बाबा साहब की प्रतिमा और प्रतिमा स्थल को पूरी तरह साफ़ सुथरा कर प्रतिमा स्थल को सुसज्जित कर भाजपा के नेताओं,कार्यकर्ताओं,विचा र मंच के सदस्यों और समाजसेवियों ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया।इस अवसर पर ज़िलाध्यक्ष अमृत पांडेय,प्रदेश मंत्री शर्मिला रजक, मुख्य अतिथि अनुसूचित जाति मोर्चा प्रदेश मंत्री कामेश्वर दास,नगर परिषद अध्यक्षा सम्पा साहा,अनुसूचित जाति मोर्चा ज़िलाध्यक्ष अजीत कुमार रविदास,पूर्व विधायक बेणी प्रसाद गुप्ता,प्रदेश कार्यसमिति सदस्य द्वय श्रीमती मीरा प्रवीण सिंह और अनुग्राहित प्रसाद साह,दुर्गा मरांडी प्रदेश उपाध्यक्ष अनुसूचित जनजाति मोर्चा,जिला उपाध्यक्ष हिसाबी राय,दिलीप कुमार सिंह,जिला परिषद के पूर्व अध्यक्ष बाबूधन मुर्मू,विवेकानंद तिवारी,नगर अध्यक्ष पंकज कुमार साह,विश्वनाथ प्रसाद भगत,गणेश रजक,जीतू सिंह,रविशंकर झा, सोहन मंडल,अनिकेत गोस्वामी,पियुष दुबे,सुशील साहा,रतन भगत,प्राची चौधरी सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।इस अवसर पर बोलते हुये वक्ताओं ने कहा कि अंबेडकर जयंती या भीम जयंती, डॉ भीमराव अंबेडकर जिन्हें डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर के नाम से भी जाना जाता है,का जन्मदिन 14 अप्रैल को पर्व के रूप में भारत समेत पूरे विश्व में मनाया जाता है।इस दिन को 'समानता दिवस' समरसता दिवस और 'ज्ञान दिवस' के रूप में भी मनाया जाता है,क्योंकि जीवन भर समानता के लिए संघर्ष करने वाले अंबेडकर को समानता और ज्ञान के प्रतीक माना जाता है। अंबेडकर को विश्व भर में उनके मानवाधिकार आंदोलन संविधान निर्माता और उनकी प्रकांड विद्वता के लिए जाने जाते हैं और यह दिवस उनके प्रति सम्मान व्यक्त करने के लिए मनाया जाता है। इसके पश्चात भाजपा ज़िला कार्यालय में प्रेस के बंधुओं के साथ एक प्रेस वार्ता हुई जिसको मुख्य वक्ता और मुख्य अतिथि अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश मंत्री कामेश्वर दास और ज़िलाध्यक्ष अमृत पांडेय ने संबोधित किया। वही आजसू पार्टी का जिला कमेटी ने संविधान निर्माता डॉ भीमराव अंबेडकर की 132वीं जयंती मनाई उनके मूर्ति पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया। आजसू जिला अध्यक्ष आलमगीर आलम ने कहा कि डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर के जन्म के उपलक्ष्य में राष्ट्र 14 अप्रैल को अंबेडकर जयंती मनाता है. बाबा साहेब एक भारतीय विधिवेत्ता, राजनीतिज्ञ, दार्शनिक, अर्थशास्त्री के साथ-साथ इतिहासकार भी थे. उनका जन्म 14 अप्रैल, 1891 को हुआ था. आजसू जिला अध्यक्ष आलम ने कहा डॉ अंबेडकर भारतीय जाति व्यवस्था के कट्टर आलोचक माने जाते थे और उन्हें हाशिए के समुदायों को ऊपर उठाने के लिए कई सुधार लाने का श्रेय दिया जाता है.

उन्होंने दलितों के लिए राजनीतिक और सामाजिक आजादी पर जोर दिया. बाबा साहेब ने कानून, अर्थशास्त्र के साथ-साथ राजनीति विज्ञान में अपनी पढ़ाई के लिए डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की. 14 अप्रैल को यानी आज पूरे देश में 132वीं जयंती मनाई गई। मौके पर उपस्थित थे इशकपुर पंचायत अध्यक्ष सफीकुल इस्लाम, नूर इस्लाम, शरीफुल इस्लाम, मोहिबुल इस्लाम, मोहीदुल इस्लाम, रतनलाल ,सुरेश, तारक मेहता, अभिषेक और अन्य कार्यकर्ता। पाकुड़ जिला कांग्रेस अनुसूचित जाति मोर्चा के द्वारा बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर की 132 वीं जयंती पर पाकुड़ जिला कांग्रेस अनुसूचित जाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष किशन पासवान ने पाकुड़ नगर परिषद अंतर्गत पेट्रोल पंप के समीप बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी. इस श्रद्धांजलि सभा में मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित झारखंड प्रदेश कांग्रेस महासचिव उदय लखमानी सहित पाकुड़ जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष गुलाम अहमद, जिला सचिव सह चीफ इनरोलर सोनु आलम, पाकु-ड़ प्रखण्ड सचिव रामविलास महतो, इनरोलर मोफिज अंसारी, अनुसूचित मोर्चा जिला उपाध्यक्ष दिलीप हाजरा सहित अन्य कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने भी बाबा साहब की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी,उदय लखमानी ने कहा की बाबा साहब ने छुआ छूत को जड़ से समाप्त करने, पिछड़ों, दलितों, वंचितों एवं समाज के अंतिम पायदान पर बैठे लोगों को अधिकार दिलाने के लिए अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित कर दिया. मौके पर रामानंद पासवान सोनू पासवान विशाल पासवान मिथुन पासवान शफीक आलम सब्रतो हाजरा शमशुल हक आदि उपस्थित थे. राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के जिला अध्यक्ष रंजीत कुमार सिंह एवं युवा जिला अध्यक्ष जावेद अंसारी के द्वारा पाकुड़ के अंबेडकर चौक में बाबा साहब के मूर्ति पर माल्यार्पण किया गया बाबा. साहब बीआर अंबेडकर भारतीय संविधान निर्माता के तौर पर जाने जाते हैं. उनकी भूमिका संविधान निर्माण में अतुल्य थी साथ ही साथ दलित समाज के उत्थान में भी उनकी भूमिका महत्वपूर्ण रही उनका जन्म 14 अप्रैल 1891 में मध्यप्रदेश के महू एक गांव में हुआ था। उस दौर में उन्होंने आर्थिक और सामाजिक विशेष भाव का सामना करना पड़ा बेहद विषम परिस्थिति में पढ़ाई करने वाले बाबा साहब ने स्कूल में भी भेदभाव का सामना करना पड़ा डॉक्टर बी आर अंबेडकर का जीवन संघर्ष और सफलता की कहानी सभी के लिए प्रेरणा है. उन्होंने विचार महिलाओं को पुरुषों के बराबर अल्पसंख्यकों और गरीबों को अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाने के लिए प्रेरित करते रहे हैं.

सीसीएस ने किया बाबा साहेब के आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

दुमका । छात्र चेतना संगठन द्वारा भारत रत्न बाबा साहेब डा0 भीमराव अंबेडकर के 132 वीं जयंती समारोह एवं परिचर्चा का आयोजन केंद्रीय कार्यालय दुमका में किया गया। जीसमे मुख्य रूप से केंद्रीय प्रमुख हिमांशु मिश्रा, प्रांतीय समिति सदस्य शिवनारायण कुमार, रवी कुमार सिंह, जिला छात्रा प्रमुख मालोती टुडु, नगर महासचिव राकेश मिश्रा, श्यामसुंदर साहा, सुरेश मोहली,प्रकाश टुडु,रामजीवन हेम्ब्रम, सुप्रिया कुमारी, फुलेश्वरी कुमारी, चांदमुनी कुमारी, पूजा कुमारी, कुमिला सोरेन,संतोषिनी टुडू, मलिता मुर्मू, नंदी टुडू, मालोती कुमारी, रौकी बेसरा, शीतांष रंजन, अमन सिंह, आकाश कुमार, सिद्धार्थ मांझी, पार्थिव राज सहित दर्जनों सी0सी0 एस0 योद्धा उपस्थित थे। केंद्रीय प्रमुख हिमांशु मिश्रा द्वारा अंबेडकर चौक स्थित बाबा साहेब के आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया और मौके पर उपस्थित सभी सी सी एस योद्धाओं द्वारा पुष्पांजलि अर्पित किया गया। बाबा साहेब अमर रहे, सामाजिक समरसता अक्षुण्ण रहे, वंदेमातरम्, भारत माता की जय के नारों से प्रतिमा स्थल गुंजायमान रहा। माल्यार्पण कार्यक्रम के उपरांत केंद्रीय कार्यालय में बाबा साहेब के जीवन पर परिचर्चा को संबोधित करते हुए संगठन प्रमुख हिमांशु मिश्रा ने कहा कि बाबा साहेब के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि यही होगा कि हम सभी मिलकर उनके सपनों के शिक्षित भारत का निर्माण, छुआछूत रहित भारत का निर्माण, स्वावलंबी भारत का निर्माण के लिए कृतसंकल्पित हों। बाबा साहेब के जीवन से हमें उनके संघर्ष और विषम परिस्थितियों में भी समाज को सही और साकारात्मक दिशा देने कि प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा एक मात्र ऐसा अस्त्र है जीससे हम समाज से हम सभी प्रकार के कुरितियों का नाश कर सकते हैं और एक सभ्य और समृद्ध समाज का निर्माण भी कर सकते हैं। शिवनारायण कुमार ने कहा कि हमेशा से शिक्षा का महत्व समाज जानता था इसलिए विद्या कि पूजा और शिक्षा का सम्मान हमेशा से रहा है, और इसका प्रज्वलंत उदाहरण बाबा साहेब स्वयं है, जीस समय जातिवाद और अस्पृश्यता जैसी घोर कुरिती समाज में कोढ़ के रुप में विद्यमान थी उस समय भी शिक्षा के बूते ही बाबा साहेब भारत रत्न बने। श्याम सुंदर साहा ने कहा कि बाबा साहेब की अप्रतिम प्रतिभा और ज्ञान का लाभ हमें भारतीय संविधान के रूप में सदैव मिलता रहेगा, उन्होंने कहा कि बाबा साहेब एक अर्थशास्त्री भी थे जिसे बहुत कम युवा जानते हैं।जिला छात्रा प्रमुख मालोती टुडू ने कहा कि अगर हमें आगे बढ़ना है तो हमें पढना होगा और पढाई के बिना हम किसी भी कीमत पर एक सफल और आदर्श व्यक्तित्व का निर्माण नहीं कर सकते हैं, बाबा साहेब ने कहा था कि तुम्हारे अंधकारमय जीवन को शिक्षा का प्रकाश ही तुम्हें मानव से महामानव बना सकता है।इसलिए शिक्षित बनो और संघर्ष करो और यह संघर्ष तब तक जारी रखो जब तक समाज से कुरितियों का संहार न हो जाय। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी सी0सी0 एस0 योद्धाओं को श्यामसुंदर साहा द्वारा संविधान के प्रस्तावना का पाठ पढ़ाया गया।

कार्यक्रम का संचालन नगर महासचिव राकेश मिश्रा ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन रवि कुमार सिंह ने किया।

कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय गीत के साथ संपन्न हुआ।

राजकीय मध्य विद्यालय पारसिमला में पेयजल संकट गहराया छात्र छात्राओं को दूर से लाना पड़ता है पानी

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

रानीश्वर (दुमका) । सदर प्रखंड दुमका के राजकीय मध्य विद्यालय पारसिमला में घोर पेयजल संकट छा गया है।इस चिलचिलाती धूप में विद्यालय के छात्र छात्रा विद्यालय से दूर अन्य चापाकल से पानी लाकर अपनी प्यास बुझा रही है वहीं विद्यालय में मध्याह्न भोजन बना रही संयोजिका सांत्वना नाथ, सहिया रीना कोल, असीमा देवी ने बताई कि स्कूल का चापाकल खराब रहने के कारण मध्याह्न भोजन बनाने के लिए इस चिलचिलाती धूप एवं प्रचंड गर्मी में स्कूल से दूर अन्य चापाकल से पानी लाकर खाना बनाना पड़ता है।

इस विद्यालय में प्रथम वर्ग से अष्टम वर्ग तक की पढ़ाई होती है, विद्यायल में कूल 286 छात्र छात्राएं एवं दो शिक्षक दो शिक्षिका कार्यरत हैं बाबूराम हांसदा प्रभारी प्रधानाध्यापक शिक्षक अमरजीत कुमार, शिक्षिका पुष्पा मरांडी, एवं सनोदी बासकी है इस विद्यालय में 10 दिनों से चापाकल खराब है समय रहते चापाकल पेयजल स्वच्छता विभाग नहीं बनाती है तो इस प्रचंड गर्मी में नन्हे मुन्ने विद्यालय के बच्चे लू के चपेट में आ सकते हैं। मौके पर विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष भीम मंडल भी उपस्थित थे।

रवि हरी नामक युवक ने ब्लड दिलाने के बदले 6000 रूपए की मांग की

- **खून देने के नाम पर अवैध वसूली अभाविप दुमका नगर इकाई द्वारा अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा**

दुमका । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) । आज अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद दुमका नगर इकाई द्वारा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य जयंत कुमार के नेतृत्व में आज फूलो झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ अनुकरण पुर्ती को ज्ञापन सौंपा। 12 अप्रैल को फूलो झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल दुमका बंदरजोड़ी के एक युवक रवि हरि जो स्वयं को फूलो झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल के कर्मचारी बता रहे रवि हरी जो बंदरजोड़ी का निवासी है उन्होंने 12 अप्रैल को मरीज नाम - प्रधान हांसदा, पता - बरहेट (साहेबगंज) का निवासी है जिन्हें ङ्ग+ रक्त समूह की आवशयकता थी तथा मरीज के बेटे समवेल हांसदा ने रक्त की सहायता के लिए आग्रह किया लेकिन रवि हरी नामक युवक ने ब्लड दिलाने के बदले 6000 रूपए की मांग की। दुमका फूलो झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इस प्रकार का भ्रष्टाचार तथा गरीब मरीजों से पैसे की मांग करना दुर्भाग्यपूर्ण हैं, आजतक हम लोगों ने बालू माफिया सुना है जमीन माफिया सुना है। आज ब्लड माफिया भी सुन लिए आज हम आजादी का 75 वर्ष मना रहे हैं और इस प्रकार का घटना दुर्भाग्यपूर्ण है, ऐसे लोगों लोगों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। इस विषय को लेकर अभाविप दुमका नगर इकाई द्वारा अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा। मौके पर प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य लखीराम मंडल जिला संयोजक कृष्णा शील,नगर मंत्री अभिषेक गुप्ता, गौरव कुमार उपस्थित रहे।

सिविल सोसायटी दुमका ने देशरत्न बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर को श्रद्धासुमन अर्पित किया

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

दुमका । संविधान निर्माता देशरत्न बाबा साहब डॉ० भीमराव अम्बेडकर जी ने अवतरण दिवस पर दुमका में स्थापित उनके आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण व श्रद्धासुमन अर्पण का कार्यक्रम सिविल सोसायटी दुमका के तत्वावधान में सचिव संदीप कुमार जय बमबम के नेतृत्व में आयोजित किया गया। उक्त अवसर पर सिविल सोसायटी दुमका के अध्यक्ष राधेशयाम वर्मा वरीय उपाध्यक्ष प्रेम केसरी, उपाध्यक्ष प्रदीप्त मुखर्जी, संयुक्त सचिव अखिलेश झा,दिवाकर महतो,राजेश कुमार राउत, प्रमोद कुमार राउत, जतिन कुमार,पत्रकार गौतम कुमार, पत्रकार चंदन कुमार,राकेश महतो, मनोज कुमार घोष,असीम मंडल,रवि यादव,रविकांत राउत,प्रमोद जायसवाल आदि सदस्य उपस्थित होकर बाबा साहब को श्रद्धा सुमन अर्पित किए श्रद्धासुमन अर्पण कार्यक्रम के पश्चात पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत टीन बाजार चौक, दुमका और फूलों-झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल के मुख्यद्वार पर आम जनों के लिए शीतल पेयजल(प्याऊ)की व्यवस्था का

- फुलों–झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल और टीन बाजार चौक, दुमका में आमजनों को पानी पिला कर प्याऊ का उद्घाटन किया

विधिवत शुरुआत शिकारीपाड़ा के विधायक नलिन सोरेन और बार एसोसिएशन के अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता विजय कुमार सिंह के कर कमलों द्वारा टीन बाजार चौक, दुमका में आमजनों को पानी पिला कर तथा फुलों-झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल, दुमका में अधीक्षक डॉ०ए०पूर्ति के कर कमलों द्वारा लोगों को पानी पिलाकर प्याऊ का उद्घाटन किया गया।

स्वामी प्रणवानंद विद्या मंदिर में मनाई गई भारत रत्न डॉ.बी.आर. अम्बेडकर की जयंती

रानीश्वर (दुमका)। (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) । भारत सेवाश्रम संघ दुमका शाखा के स्वामी प्रणवा नंद बिद्या मंदिर में संविधान निर्माता डा. वी आर अम्बेडकर का जयंती मनाया स्वामी अर्णवानंद ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूवात किया गया अपने सम्बोधन में स्वामी जी ने डॉ. अम्बेडकर के जीवन से प्रेरणा लेकर अपने जीवन का निर्माण पर बल दिए इस अवसर पर अम्बेडकर के जीवन पर आधारित प्रश्नोत्तर प्रतियोगिता आयोजित हुई विजेता छात्रों को कलम पुरुस्कार स्वरूप दी गई इनमें विकास टुडू, असबीन टुडू बैधनाथ किस्कू, प्रेम हेंब्रम, बलदेव मरांडी, हरीश चंद्र मुर्मू आदि हैं, मौके पर जयदेव दे,चैतन कारोवा,रजीत राउत, सागुन हांसदा,प्रशांत कुमार मुर्मू,अविनाश किस्कू और अन्य कर्मचारीगण व छात्र उपस्थित थे।

बस इन्हें कोई इसलिए नहीं याद करता क्योंकि यह वोटबैंक नहीं है

राज्य से लेकर केंद्र सरकार तक किसी ने नहीं दी आर्यभट्ट को श्रद्धांजलि

आज विश्व के महानतम ज्योतिषाचार्य, खगोलविद और गणितज्ञ आर्यभट्ट जी की जयंती है

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

दुमका । आचार्य आर्यभट्ट प्राचीन समय के महान गणितज्ञ व खगोलशास्त्री थे। बीजगणित(एलजेब्रा) का प्रथम बार उपयोग आचार्य आर्यभट्ट ने ही किया था। अपनी प्रसिद्ध रचना आर्यभटिया में आचार्य श्री ने बीजगणित,अंकगणित और त्रिकोणमिति के 33 नियम बताये हैं। पाई (pi) के मान का दशमलव के पाँच अंकों तक अनुमान इन्होंने ही लगाया था।साइन की अवधारणा और त्रिभुज (ट्राएंगल) के क्षेत्रफल की गणना भी इन्होंने ही कि थी।

पृथ्वी गोल है और अपने धुरी में घूमती है जिसके कारण दिन व रात होता है। ये सिद्धांत आचार्य आर्यभट्ट ने लगभग 1200 साल पहले प्रतिपादित कर दिया था।

आचार्य आर्यभट्ट ने ये भी बताया था कि पृथ्वी गोल है और इसकी परिधि 24853 मिल है। आचार्य आर्यभट्ट ने ये भी बताया था कि चंद्रमा सूर्य की रोशनी से प्रकाशित होता है। आचार्य आर्यभट्ट ने यह सिद्ध किया था कि 1 वर्ष में 366 नही बल्कि 365.2951 दिन होते हैं।

- आज इन्हीं के कारण सम्पूर्ण विश्व विकास के पहिये पर दौड़ रहा है
- इनकी उँगली एकमात्र विकास, शिक्षा और ब्रह्मत्व की ओर इंगित करती है

आचार्य आर्यभट्ट,आचार्य पाणिनी, आचार्य चरक, आचार्य शुश्रुत,आचार्य बोधयन,आचार्य चाणक्य,आचार्य भास्कराचार्य, आचार्य वराहमिहिर इत्यादि के रहते हुए भारत मे क्या किसी अन्य को प्रथम शिक्षक का दर्जा मिल सकता है।क्या कोई भी इनके समकक्ष ज्ञान में टिक सकता है। जिनके ज्ञान का लोहा समस्त विश्व मान रहा है आज वही अपने देश मे ही नजरअंदाज किये जा रहे हैं। आज एक पुष्पांजलि के लिए आर्यभट्ट को कोई पूछने वाला नहीं है क्योंकि वह भारत की राजनीति में वोट बैंक नहीं रखती इसलिए श्री आर्यभट्ट का आज राज्य सरकार हो या केंद्र सरकार शासन-प्रशासन सभी ने आर्यभट्ट को भुला दिया।

संक्षिप्त समाचार

भारतीय जनता नगर कमेटी द्वारा शहर के वार्ड नं 7 में डॉ भीमराव आंबेडकर की 133वाँ जयन्ती धूम धाम से मनाया गया

रक्सौल । शहर के महादलित बस्ती अम्बेडकर ज्ञान मंच के कई लोगो समानित किया जिसमें वार्ड 7 पूर्व पार्षद चीनी राम, रजिंदर राम, पूर्व शिक्षक जगन राम, शिवनाथ राम,सोहन राम ,किशोरी राम, संचालन करते हुए कमलेश कुमार ने कहा कि अति-मानवतावादी व कल्याणकारी संविधान देकर आधुनिक भारत की मजबूत नींव रखने वाले परमपूज्य बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर की जयंती के शुभ अवसर उनके प्रतिमा पर माल्यर्पण किया तथा श्रद्धा सुमन अर्पित किया। वही नगर अध्यक्ष कन्हैया सर्राफ ने कहा कि उनका जीवन संघर्ष करोड़ों गरीबों, मजदूरों, वंचितों व अन्य मेहनतकशों के लिए आज भी उम्मीद की किरण है।

इस मौके पर कन्हैया सर्राफ, रवि गुप्ता, कमलेश कुमार,प्रेम कुशवाह, सुरेश चौहान, प्रदीप भारती, पप्पू गुप्ता, प्रेम गुप्ता, रणवीर कुमार, मुन्ना कुमार, समेत कई भाजपा नेता उपस्थित रहे।

सीकरीया बीएड कॉलेज में भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई गई

- बाबा साहब ने वंचित, शोषित वर्ग के उत्थान के लिए अपना जीवन समर्पित किया– यमुना सिकरिया

मोतिहारी । उद्योगपति यमुना सीकरीया के द्वारा भारतीय संविधान के जनक भारत रत्न बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की जयंती अपने परिसर में मनाई गई। इस अवसर पर उन्होंने कहा समाज के वंचित एवं शोषित वर्ग के सशक्तिकरण के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले बाबा साहेब हर पीढ़ी के लिए एक मिसाल है। उन्होंने संघर्ष कर समाज के हाशिया पर पहुंच चुके वर्गों को मुख्यधारा में लाने का काम किया। उन्होंने संविधान के माध्यम से समाज को एकजुट किया, जो अन्याय झेल रहे थे उस समाज के हर वंचित, हर पीड़ित, हर दलित की आवाज को धार देने का काम किया। इस अवसर पर अभय कृष्ण सीकरीया, केशव, राशि, वर्षा, शिव कुमार, विकास एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

संविधान बचाओ लोकतंत्र बचाओ देश बचाओ एवं हमारी भूमिका विषयक विचार गोष्ठी का आयोजित

- डॉ आंबेडकर के रास्ते चल कर ही संविधान लोकतंत्र देश बचेगा – छत्रपति
- डॉक्टर अंबेडकर सच्चे अर्थों में भारत रत्न, संविधान निर्माता, समाज सुधारक, समता मानवता बंधुत्व का मसीहा थे

अलौली खगड़िया। फरकिया मिशन, देश बचाओ अभियान, मिशन सुरक्षा परिषद के संयुक्त तत्वाधान में भारत रत्न बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की 132 वी जयंती श्री नवयुवक पुस्तकालय परिसर में धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर डॉ अंबेडकर के प्रतिमा पर माल्यार्पण पुष्पांजलि समर्पित कर कोटि-कोटि नमन किया गया। तथा डॉक्टर अंबेडकर अमर रहे, संविधान बचाओ लोकतंत्र बचाओ देश बचाओ के नारे को बुलंद किया गया।

अभियान के संस्थापक अध्यक्ष किरण देव यादव के अध्यक्षता में संविधान लोकतंत्र देश की दशा एवं हमारी भूमिका, विषयक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। श्री यादव ने कहा कि डॉ आंबेडकर सच्चे अर्थों में भारत रत्न, संविधान निर्माता, समतामूलक समाज निर्माण के पक्षधर, महान समाज सुधारक, सर्वजन मसीहा थे। कहा कि शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो, के मूल मंत्र को धरातल पर उतारने की जरूरत है।

गोष्ठी का उद्घाटन सदर विधायक छत्रपति यादव ने करते हुए कहा कि संविधान को बचाकर-सुदृढ़ कर ही मजबूत लोकतंत्र एवं देश की दशा में सुधार लाई जा सकती है। इसके लिए डॉक्टर अंबेडकर के बताए रास्ते पर चलने की जरूरत है।

कार्यक्रम में नागेंद्र विकल, भीखन यादव, जवाहर यादव दिनेश शाह, दानवीर यादव, रामचंद्र यादव, पंकज यादव पप्पू यादव विष्णु देव यादव जितेंद्र कुमार अरविंद कुमार दिनेश पेंटर मोहम्मद इजराइल महेश्वर यादव बृजनंदन महतो पूकरी यादव विनोद राम पंकज यादव रंजीत कुमार नृपेंद्र यादव आदि ने डॉक्टर अंबेडकर के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

नारायण आईटीआई लुपुंगडीह चांडिल में भारतीय विधिवेत्ता डा0 अंबेडकर की जयंती मनाई गई

चांडिल । नारायण आईटीआई लुपुंगडीह चांडिल में भारतीय विधिवेत्ता, महान समाज सुधारक डॉक्टर बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाया गया। इस अवसर पर उनके चित्र पर श्रद्धासुमन पुष्प अर्पित किया गया। मौके पर संस्थान के संस्थापक डॉक्टर जटाशंकर पांडे ने कहा कि आम्बेडकर विपुल प्रतिभा के धनी थे। उन्होंने कोलंबिया विश्वविद्यालय और लंदन स्कूल ऑफ़ इकोनॉमिक्स दोनों ही विश्वविद्यालयों से अर्थशास्त्र में डॉक्टरेट की उपाधियाँ प्राप्त कीं तथा विधि, अर्थशास्त्र और राजनीति विज्ञान में शोध कार्य भी किया। व्यावसायिक जीवन के आरम्भिक भाग में ये अर्थशास्त्र के प्रोफेसर रहे एवं वकालत भी की तथा बाद का जीवन राजनीतिक गतिविधियों में बिताएं। इसके बाद आम्बेडकर भारत की स्वतंत्रता के लिए प्रचार और चर्चाओं में शामिल हो गए और पत्रिकाओं को प्रकाशित करने, राजनीतिक अधिकारों की वकालत करने और दलितों के लिए सामाजिक स्वतंत्रता की वकालत की और भारत के निर्माण में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। वे हिंदू पंथ में व्याप्त कुरूतियों और छुआछूत की प्रथा से तंग आकार सन 1956 में बौद्ध धर्म अपना लिया था। सन 1990 में, उन्हें भारत रत्न, भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से मरणोपरांत सम्मानित किया गया था। 14 अप्रैल को उनका जन्म दिवस आम्बेडकर जयंती के तौर पर भारत समेत दुनिया भर में मनाया जाता है। डॉक्टर आम्बेडकर की विरासत में लोकप्रिय संस्कृति में कई स्मारक और चित्रण शामिल हैं। इस अवसर पर अधिवक्ता निखिल कुमार, हरि नारायण साहू , कृष्ण चंद्र महतो, पवन कुमार महतो , सब्यसाची महतो, गौरव महतो, अजय मंडल, निमाई मंडल, शिशु मती दास आदि मौजूद थे।

प्रशिक्षु आईएएस ने शुक्रवार को देवीपुर अंचलाधिकारी के पद पर प्रभार लिया

देवीपुर। देवीपुर अंचल कार्यालय के नये अंचलाधिकरि प्रशिक्षु आईएएस अनिमेष रंजन ने शुक्रवार को अंचलाधिकारी के पद पर प्रभार ग्रहण किया उन्होंने सीओ सुनील कुमार से प्रभार लिया वहीं नव पदस्थापित अंचलाधिकारी अनिमेष रंजन ने कहा की अंचल से संबंधित भूमि विवाद, लगान वसूली सहित जनता की सभी समस्याओं का समाधान उनकी पहली प्राथमिकता होगी वहीं लंबित सभी मामले को तेजी से निपटारा किया जायेगा इस मौके पर अंचल नाजिर निखिल देवराज हांसदा, राजस्व उप निरीक्षक मुकेश मुर्मू, लिपिक रूपेश कुमार, आंचल प्रधान सहायक मनोज कुमार देव कंप्यूटर आपरेटर धीरज कुमार, निर्मल कुमार वाजपेयी आमीन रोहित कुमार समेत अंचल कई कर्मी मौजूद थे ।

पुस्तक समीक्षा

युग युगीन मँदराचल

2021,सम्पादक-डा.गौरी नाथ राय/डा.सूर्य नारायण प्रसाद, इम्प्रेशन पब्लिकेशन.सालिमपुर अहरा 'बॉलिया', कदमकुआँ, पटना-800003, मो.8877663597,मूल्य 600/-. पृ.-1-343

'मंदार पर्वत हमारी गौरवशाली अतीत का एक हिस्सा है।हिन्दू धर्माबलम्बियों की मान्यता है कि समुद्र-मंथन के क्रम में नेति के घर्षण का निशान मंदार पर्वत पर आज भी विद्यमान है। ₹डा.बाल मुकुन्द पाण्डेय,राष्ट्रीय संगठन सचिव, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना,नई दिल्ली ।

"It is crying shame that neither the Archaeological Department nor Tourism Department or the Cultural societies have done anything to upgrade the small place to a venue for pigrimage.The British Archaeologists like Cunningham, Beglar,Franklin visited Mandar over more than a century ago ,identified and partly explored the site. It is pity that not a thing has been done in the last one hundred and fifty years to highlight and develop this site."Prof. Dr.Rajeev Ranjan

● **डा.दिनेश नारायण वर्मा,इतिहासकार।**

भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद,नई दिल्ली,विभविद्यालय अनुदान आयोग,नई दिल्ली आदि शैक्षणिक संस्थाओं द्वारा प्रयोजित और महाविद्यालयों और विश्व विद्यालयों में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठियों में प्रस्तुत किये गये शोध आलेखों को प्रकाशित करने की बड़ी स्वस्थ्य परम्परा है। हाल के वर्षों में यह परम्परा तेजी से विकसित हुई।इसके फलस्वरूप शोध के अलावा शोध आलेखों के प्रकाशन के क्षेत्र में शैक्षणिक क्रांति का मार्ग प्रशस्त हो गया। विद्वानों और इतिहासकारों को ही नहीं बल्कि विशेष रूप से युवा शोधार्थियों को इसने अपनी प्रतिभा को विकसित और परिष्कृत करने का अवसर प्रदान किया और उनमें शैक्षणिक प्रतिस्पर्धा का बीजोरोपण कर दिया। मेरे विचार से इस तरह के प्रोसिडिंग्स के प्रकाशनों की विशेषताओं में यह शीर्ष पर है। इसलिए मेरी विनम्र सलाह है कि नेशनल सेमिनार के प्रोसिडिंग्स को प्रकाशित करना आवश्यक कर दिया जाना चाहिए और इसके लिए आयोजकों को शिक्षकों की एक समिति गठित करनी चाहिए ताकि प्रोसिडिंग्स का प्रकाशन समय पर हो सके। इतिहास संकलन समिति,द. बिहार एवं धर्म जागरण समन्वय के संयुक्त तत्वावधान में वर्ष 2018 में बौंसी के मंदराचल ,बाँका (बिहार) में युग युगीन मंदराचल विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गयी। देश के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे विभिन्न शोध विद्वानों,प्राध्यपकों और इतिहासकारों ने राष्ट्रीय संगोष्ठी में अपने आलेख प्रस्तुत किये और मंदार क्षेत्र के ऐतिहासिक,साहित्यिक,धार्मिक, सांस्कृतिक और पुरातात्विक आदि पहलुओं की विवेचना की। इन शोध आलेखों को डा.गौरी नाथ राय और डा.सूर्य नारायण प्रसाद द्वारा सम्पादित किये जाने के फलस्वरूप एक नयी रचना-युग युगीन मँदराचल--प्रकाशित हुई। अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना,नई दिल्ली के राष्ट्रीय संगठन सचिव डा.बाल मुकुन्द पाण्डेय ने इसका पुरोवाक लिखा और बताया कि हमारी गौरवशाली अतीत का एक हिस्सा मंदार पर्वत वर्तमान में भागलपुर प्रमण्डल के बाँका जिले के बौंसी में स्थित है।इसका संबंध प्रसिद्ध पौराणिक आख्यान समुद्र-मंथन से है। इस पर्वत का उल्लेख स्कन्द पुराण,श्रीमद्भागवत पुराण,मार्केण्डेय पुराण,ब्राह्वैवर्त पुराण,गरुड़ पुराण, वराह पुराण,नरसिंह पुराण,महाभारत,कुमारसंभव आदि ग्रंथों में मिलता है। उन्होंने यह भी बताया कि हिन्दू धर्माबलम्बियों की मान्यता है कि समुद्र-मंथन के क्रम में नेति के घर्षण का निशान मंदार पर्वत पर आज भी विद्यमान है।यह वैष्णव धर्माबलम्बियों का पवित्र स्थल है जिसकी 1606 ई. में प्रसिद्ध वैष्णव संत चैतन्य महाप्रभु ने यात्रा की थी। डा. पाण्डेय ने यह भी स्पष्ट किया कि यह जैन धर्माबलम्बियों की भी आस्था का केन्द्र है क्योंकि इसी पर्वत पर जैन तीर्थंकर भगवान वसुपूज्य ने निर्वाण प्राप्त किया था। इसी पर्वत पर आदिवासियों का भी बहुत बड़ा संताली मेला लगता है जिसमें सफाहोड़ संताल भारी संख्या में शामिल होते हैं। यह पर्वत कथित घटनाओं के बाद की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहलुओं से भी जुड़ा है जिसकी विवेचना इस पुस्तक में शामिल 46 शोध आलेखों में है। इन आलेखों में मंदार पर्वत के ऐतिहासिक,साहित्यिक,पुरातात्विक ,धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व के विभिन्न पहलुओं पर समीक्षात्मक विवेचना है। बुकानन हैमिल्टन (1810-1811),फ्रैंकलिन (1850),आर. एम.मार्टिन (1876), बेगलर (1872-1877),डब्ल्यू.डब्ल्यू. हंटर (1888),ब्लौच (1900) आदि विदेशी विद्वानो के अलावा झारखंडी झा(1933),अभय कान्त चौधरी(1956) अजय कुमार सिन्हे,उदय शंकर झाद्वराका प्रसाद मिश्र,संतलाल मिश्र,प्रोफेसर राधाकृष्ण चौधरी प्रोफेसर(1958) युगल किशोर मिश्र,डा.डी.आर. पाटिल(1963) आदि भारतीय विद्वानों और इतिहासकारों ने भी मंदार पर्वत के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहलुओं की विवेचना की है। यह विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि पुस्तक में प्राचीन अंग प्रदेश, वर्तमान बंका,भागलपुर आदि के इतिहास,सांस्कृतिक आयाम,पर्यटन,मेला,कला,स्वतंत्रता आन्दोलन आदि सम्बन्धित पहलुओं की भी सुन्दर और सारगर्भित विवेचना है। डा.अयोध्या नाथ झा,रवि शंकर,डा. राजीव कुमार,सुधा कुमारी आदि ने इसके पुरातात्विक पहलुओं जबकि डा.सुरेन्द्र झा, प्रो.बिहारी लाल चौधरी,डा.आदित्य चन्द्र झा,डा.राहुल वत्स,आशा सिंह,डा.अनीता,डा.प्रकाश चन्द्र यादव,डा.दीनानाथ साह,शोभा देवी,डा.रश्मि झा,,शशिकला यादव,अभय चन्द्र यादव,डा.रजनी सतीश चन्द्र झा,डा.विनय कुमार,डा.अखिलेश कुमार सिंह,डा.दिनेश कुमार गुप्ता, डा.मायानन्द,डा.सुभाष कुमार,डा.मनोज कुमार ,बदर आरा,मुनेश्वर कुमार सिंह,गीतांजलि कुमारी आदि ने इसके ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहलुओं की विवेचना की ।डा.गौरीनाथ राय,डा.रेखा कुमारी,डा.ज्योत्सना,डा. डॉली जैन,डा.मधुबाला सिन्हा,डा.राम संयोग राय,डा.सूर्य नारायण प्रसाद,शिव शंकर सिंह परिजात,डा.अरुण कुमार निराला,सुमन कुमारी,अवनीश कुमारसंजीव कुमार,पुनम पाण्डे,डा.भेता आनन्द,डा.दिलीप कुमार आदि ने इसके अन्य विभिन्न पहलुओं की विवेचना की।राहुल कुमार झा,प्रो.डा. रामानेक कुशवाहा ,डा.रौनक कुमार और श्रीमन् नारायण पाठक ने इसके पर्यटन सम्बन्धी पहलुओं पर प्रकाश डाला। जनजातीय समाज में नवजागरण,गांधी जी की बुनियादी शिक्षा,बाँका और स्वतंत्रता आन्दोलन,भागलपुर में भारत छोड़ो आन्दोलन आदि विषयों की दिलीप कुमार,विनीता कुमारी,डा.दिनेश नारायण वर्मा,डा.रामाकान्त शर्मा,शोभा और डा. संजय कुमार सहनी ने गवेषणात्मक विवेचना की। इस आलोक में इस पुस्तक में शामिल प्रत्येक शोध आलेख भारतीय इतिहास और संस्कृति का अध्ययन करने वाले शोधर्थियों,विद्वानों ,इतिहासकारो आदि के अलावा मंदार और इसके इतिहास और संस्कृति में अभिरुचि रखने वाले साधारण पाठकों के लिए भी यह पुस्तक बेहद महत्वपूर्ण और उपयोगी है। एक उपेक्षित ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थल के विभिन्न पहलुओं को उजागर करने के अभिप्राय से नेशनल संमिनार का आयोजन और इसके प्रोसिडिंग्स का प्रकाशन प्रशंसनीय और स्वागत योग्य है। इसलिए अभिलेखागारों,पुस्तकालयों और शैक्षणिक संस्थाओं आदि के लिए भी यह पुस्तक आवश्यक और उपयोगी है। विशेषकर जिन्हें भारतीय सभ्यता और संस्कृति के विभिन्न पहलुओं से लगाव है उन्हें यह पुस्तक अवश्य पढ़नी चाहिये।

(इतिहासकार डा.दिनेश नारायण वर्मा, स्टडी एंड रिसर्च सेंटर,चांदमारी रोड,उत्तरपल्ली, रामपुरहाट- 731224 (वीरभूम) पश्चिम बंगाल के संस्थापक निदेशक हैं।)

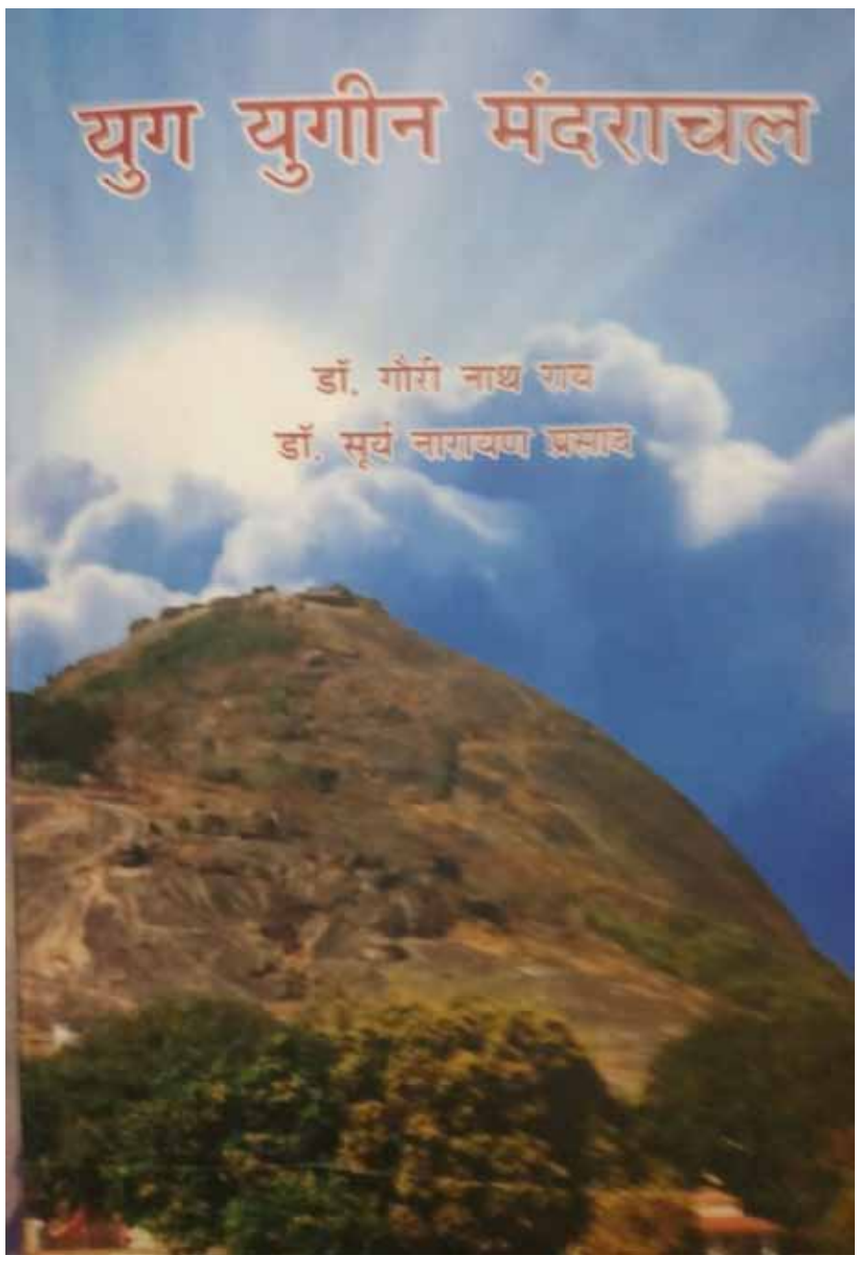

क्षणिकाएँ

हैरत

1.
वो,
देश के विकास के वास्ते,
ईमानदारी के रास्ते,
वचनबद्ध है,
कि,
भ्रष्टाचार को,
यथार्थ की जमीं पर,
उगने नही देंगे,
कुव्यवस्था के काई को
जमने नही देंगे,
चोर , बेईमानों का सिक्का
चलने नहीं देंगे,
बातें तमाम ऐसी
उधर वो
सुर्खियों में कहते है,
इधर,
माफिया, ठेकेदार, अफसर, मंत्री
नियमों को ताक पर रखकर ,
कानून को धत्ता बता कर,
जन हितार्थ कार्यों को,
कागज पर ही,
बड़े सफ़ाई से,
हाजिर चालाकी से,
शरफ़ते अंदाज में निपटा लेते है,
कर लाखों की कमाई,
योजनाओं को झटके में,
इतिश्री कर देते है।

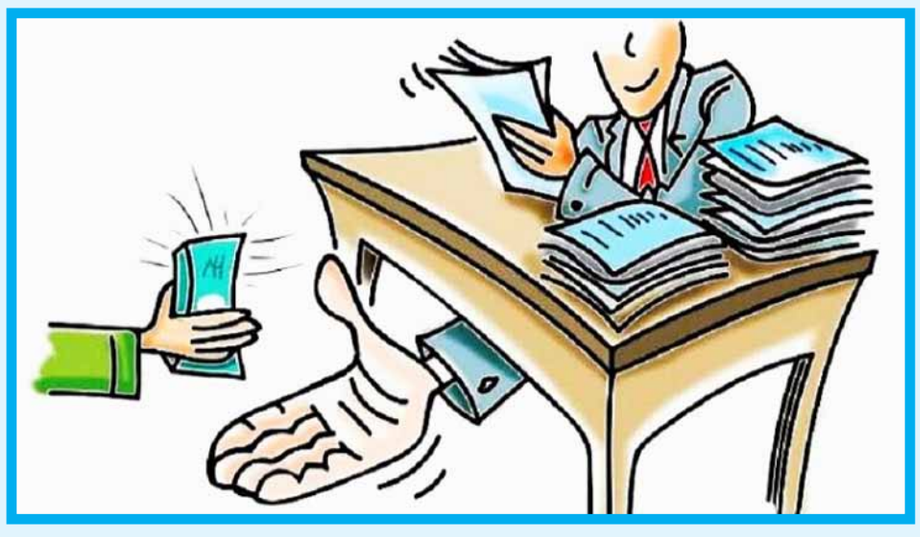

खुदगर्ज़

3.
वो,
देश को,
प्रगति के पथ पर,
ले जाने को ,
'अव्वल' राष्ट्र बना जाने को ,
चर्चित है,
समर्पित है,
दृढ़ संकल्पित है,
इतना अधिक प्रतिबद्ध है ;
रब कसम,
खुदगर्जी मन मुखरे पर,
चमचों के अंतराओं पर,
झूठ के स्वरों में,
आसक्त लयबद्ध है।

खेल

2.
वो,
जनता के प्रति,
अटूट विश्वास जताते है,
खुद को,
दर्द दुनिया का,
मसीहा बताते है,
तारणहार बताते है ;
पर,
हकीकत में वो,
सिवाय एक कुर्सी के,
सिवाय अपने चहेतों के,
इच्छाएं पूरी करने को,
मंत्री बनने को,
राजनीतिक सुख लेने को ,
काम कोई
एक अदना– सा भी बढ़िया,
कभी कर नही दिखाते है,
और– तो– और,
जनता के ,
भावनाओं के साथ खेल,
शतरंजी खेल जाते है।

● प्रस्तुति
डॉ विनोद कुमार शर्मा
असिस्टेंट प्रोफेसर
(नैदानिक मनोवैज्ञानिक)
विभागाध्यक्ष
स्नातकोत्तर मनोविज्ञान विभाग
सिकामु विवि, दुमका।

हिन्दी दैनिक
झारखण्ड देखो
खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

संपादकीय

जो चांद तक जाएंगे

लगभग छह महीने से उन अंतरिक्ष यात्रियों का इंतजार था, जिन्हें चांद तक जाना है। पचास साल से ज्यादा समय बीत गया, कोई इंसान न तो चांद पर उतरा है और न उसके पास गया है। अब नासा और कनाडाई अंतरिक्ष एजेंसी (सीएसए) ने चार अंतरिक्ष यात्रियों की घोषणा की है, जो आर्टेमिस-2 पर सवार चंद्रमा की परिक्रमा करेंगे। इस अभियान में यात्रियों को चांद पर उतारने की योजना नहीं है। यात्री चांद को करीब से देख पाएंगे। वास्तव में, यह चंद्रमा पर दीर्घकालिक उपस्थिति स्थापित करने के लिए नासा का पहला क्रू-मिशन है। इसका अर्थ यह है कि इस अभियान के बाद भी चांद पर मानव उपस्थिति को सशक्त करने के सतत अभियान चलेंगे। एक ऐसा अंतरिक्ष केंद्र चांद पर बनाने की कल्पना है, जहां से दूसरे ग्रहों के लिए अभियान चला करेंगे। पृथ्वी के करीब स्थित उपग्रह चांद अंतरिक्ष यात्रियों के लिए पड़ाव हो जाएगा। फिलहाल चांद से मंगल तक पहुंचने की योजना तैयार है। यह इंसानी सभ्यता के लिए एक बड़ी कामयाबी होगी। नासा के प्रशासक बिल नेल्सन की टिप्पणी वाकई अभिभूत कर देती है कि अंतरिक्ष यात्रियों का यह दल हमें सितारों तक ले जाने के लिए अथक परिश्रम करने वाले हजारों लोगों का प्रतिनिधित्व करता है। यह उनका दल है, यह हमारा दल है, यह मानवता का दल है। चांद तक जाने के लिए जो अंतरिक्ष यात्री चुने गए हैं, उनकी ओर पूरी दुनिया देख रही है। कमांडर रीड वाइसमैन, पायलट विक्टर ग्लोवर, मिशन विशेषज्ञ-1 क्रिस्टीना हैमॉक कोच और मिशन विशेषज्ञ-2 जेरेमी हैनसेन, ऐसे चार अंतरिक्ष यात्री हैं, जो चांद तक मानवता की यात्रा को आगे बढ़ाएंगे। यह अभियान करीब दस दिनों का होगा और इस दौरान हजारों प्रकार के परीक्षणों को अंजाम दिया जाएगा। अनेक नई तकनीकों का व्यावहारिक परीक्षण होगा। विगत 51 वर्षों में चांद तक पहुंचने की तकनीक में काफी परिवर्तन हुए हैं। एक बात यह भी गौर करने की है कि यह अभियान अमेरिका और कनाडा मिलकर कर रहे हैं। अभी तक चांद तक जाने का गौरव अमेरिकियों को ही हासिल था। तत्कालीन सोवियत संघ ने खूब प्रयास किए थे, लेकिन जब अमेरिकियों ने चांद पर बार-बार पहुंचकर अपनी वैज्ञानिक तरक्की के झंडे गाड़ दिए, तब रूस शायद अपने सम्मान की रक्षा के लिए अचानक ही चंद्र अभियान से पीछे हट गया। यह कनाडा और उसकी अंतरिक्ष एजेंसी के लिए गौरव की बात है। जेरेमी हैनसेन कनाडाई नागरिक हैं और अंतरिक्ष यात्री के रूप में चुने जाने का सौभाग्य उन्हें हासिल हुआ है। इन चारों को योग्यता के हर पैमाने पर परखने के बाद चुना गया है। ये सभी तकनीकी रूप से बहुत कुशल और प्रतिकूल स्थितियों में भी यथोचित निर्णय लेने में माहिर हैं। यह नई सदी में अंतरिक्ष यात्रियों की पहली ऐसी पीढ़ी होगी, जिसकी सफलता पर आगे के अंतरिक्ष अभियान निर्भर करेंगे। कम से कम पांच देश हैं, जो चांद पर इंसान भेजने के लिए प्रयासरत हैं। खैर, फिलहाल चुने गए चारों अंतरिक्ष यात्रियों को पूरी तरह से अंतरिक्ष यात्रा के लिए तैयार किया जाएगा। अंतिम तैयारी भी बहुत कठिन और जटिल होती है। वैज्ञानिक तैयारी में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते हैं। यह अभियान अंतिम रूप से अगले साल के उत्तरार्द्ध में लॉन्च होगा। शायद इसी समय भारत भी पहली बार यात्रियों को अंतरिक्ष यात्रा पर भेजेगा। इस मामले में चीन कुछ आगे है। वह इस दशक के अंत तक चांद पर इंसान उतारने के लक्ष्य पर तेजी से काम कर रहा है।

शोर के बीच भाषा का विवेक

(एकता कानूनगो बक्षी)

ऐसा लगता है इन दिनों हमारा मनपसंद यंत्र माइक और लाउडस्पीकर हो गया है।भजन मंडली से लेकर, डीजे पार्टी तक हम हर सांस्कृतिक, पारिवारिक, राजनीतिक कार्यक्रमों में घर बैठे ही सम्मिलित किए जा सकते हैं। भले कल हमारा इम्तिहान हो, हम बीमार हों, दफ्तर का काम हो, यात्रा के बाद थकान हो, तकनीक में आई क्रांति के जरिए अब हम एक बहुत बड़े परिवार का हिस्सा बन गए हैं, जहां औपचारिकता, विनम्रता की जरा भी गुंजाइश नहीं बची है। अनुरोध की जगह थोपना और हावी होना जीवन क्रम में शामिल हो गया है। अभिव्यक्ति के लिए संचार भाषा का एक यह अलग तौर-तरीका क्या जीवन में कुछ अस्वाभाविक खलल नहीं डाल रहा?अपनी बात, विचार एक दूसरे तक पहुंचाने का सहज माध्यम बनती भाषाएं बहुत खूबसूरत और रोचक भी होती हैं। हर भाषा में क्षेत्रीय शब्दों का समावेश और हर क्षेत्र में उसे बोलने का अपना अलग तेवर, अलग शैली।

भाषाओं का कैनवास बहुत विस्तृत है। पानी की तरह ही हर परिस्थिति में ढलकर वह अपना काम करना जानती हैं।इसीलिए विचार साझा करने के लिए कई बार उपयुक्त शब्दों की कमी के बावजूद भाव-भंगिमाओं या देह भाषा से भी संवाद हो ही जाता है। आदिकाल में जब शाब्दिक भाषा का विकास नहीं हुआ था, तब के संघर्षों, मान्यताओं और जीवन की कहानियां हमें भित्ति चित्रों, आकृतियों के माध्यम से प्राप्त होती रही हैं।कभी-कभी ऐसा लगता है मानो किसी टेपरिकार्डर की तरह बेहद उत्कृष्ट ध्वनि नियंत्रण यंत्र हमारे भीतर उपस्थित है, जो अपने आप इंगित कर देता है कि कब हमें आवाज ऊंची करने की जरूरत है और कब हमारे मद्धिम स्वर से ही काम चल जाएगा। विविध भावनाओं की अभिव्यक्ति के लिए हमारी आवाज का उतार-चढ़ाव, तीव्रता और गति, यहां तक कि मौन की अवस्था भी इसी आंतरिक प्रणाली के दायरे में आती है। हम जितने अधिक विवेकशील और संतुलित होते हैं, उतना ही सहज और सटीक यह मानवीय यंत्र काम करता है।प्रकृति की खामोशी, उसकी हर हलचल सृजनात्मकता से भरी होती है जो प्रेरित करती है। वह चाहे हवा की सरसराहट हो, झरनों की कलकल या बियाबान की खामोशी, भाषा के आरोह-अवरोह का अद्भुत व्याकरण और अभिव्यक्ति की पृष्ठभूमि तैयार करते हैं। प्रकृति किसी विशेष अवसर पर ही अपनी आवाज ऊंची करती है। बादल और बिजली की गड़गड़ाहट, कड़कड़ाहट, तेज आंधी, तूफान, नदी तालाबों में उफान, ज्वारभाटा, पत्तों पर गिरती रिमझिम बारिश की बूंदें तो कभी सूखे पत्तों की सरसराहट।

जीव-जंतु भी आपस में सहज रूप से स्वाभाविक स्वर में संवाद करते हुए नजर आते हैं। जब जरूरी होता है, तभी वे अपनी आवाज को बुलंद करते हैं। दुखद है कि हम एक ऐसे समय से गुजर रहें हैं जहां हर व्यक्ति के पास अपनी बात कहने के कई माध्यम तो उपलब्ध है पर विवेकशीलता की कमी भी है।

कई बार लगता है कि इसे 'लाउडस्पीकर युग' कहा जाए ! हमारी आवाज दबी हुई हो या ऊंची, हमारे विषय महत्त्वपूर्ण हों या अप्रासंगिक, हमें कोई सुनना, पढ़ना चाहता हो या नहीं, हम अपनी बात को एक बार व्यक्त करें, हमें कोई नहीं रोक सकता है। हमारी भाषा सुंदर, स्वस्थ और अर्थपूर्ण हो या न हो, पर बुलंद् हुई है। हर कोई लगभग चीखता हुआ लगता है। भीतर से हम भले अधिक बुद्धिमान, कर्मठ और समर्पित हों, लेकिन इस अविवेकी शोर से इसका कोई खास संबंध नहीं दिखाई देता।

कुछ समय पहले तक अपने बारे में बहुत अधिक बात करना अच्छा नहीं माना जाता था। कहा जाता था कि अच्छा काम अपने आप प्रसिद्धि पाता है। पर अब मानो केवल एक सूत्र रह गया है- जो दिखता है, वह बिकता है। अपने आप को रेखांकित करने की ललक से उपजी जानकारियों के इस शोर में कई आवश्यक, महत्त्वपूर्ण आवाजें गुम-सी हो जाती हैं।

कुछ समय पहले एक खबर आई थी कि एक लोक कलाकार अपनी कला को आम लोगों तक पहुंचा नहीं पा रहे, क्योंकि उन्हें अपना वीडियो इंटरनेट पर डालने नहीं आता। खुद से थोड़ा ऊपर उठकर ऐसे कलाकारों की मदद करना, उन्हें भी अपनी कला को प्रदर्शित करने का मौका देना, क्या यह हमारी स्वस्थ मानिसकता का परिचायक नहीं होगा।

हमें इस असंतुलित मानसिक स्थिति से खुद को बचाना चाहिए। यह शोर, हड़बड़ाहट स्वाभाविक नहीं है। रचनात्मक बहस, विचार-विमर्श में भी स्वर मद्धिम ही होते हैं। तर्कहीन, क्रोध से उपजी निरर्थक चर्चा में ही स्वर ऊंचे होते हैं। सुमधुर संगीत को सुनते हुए हम कई वाद्य यंत्रों की ध्वनियों और स्वर के सुंदर मिलन को महसूस करते हैं। जहां संतुलन, आपसी समझ है, वहां संगीत है, माधुर्य है।

हम जिस दिशा में खुद को ले जा रहे हैं, इसके अंत में हमारे पास कुछ भी ठोस नहीं बचेगा। हमारी उपलब्धि बस देखने-दिखाने, मनवाने तक ही सीमित रह जाएगी। हम केवल शोर बनकर रह जाना चाहेंगे या हमारे संवाद, संप्रेषण और अभिव्यक्ति में भाषाई विवेक के माधुर्य से जीवन में सुबह का कलरव भरना चाहेंगे?

इस साल के शुरुआती महीनों में बुरा बर्ताव करने वाले तीन यात्रियों को नो फ्लाई लिस्ट में डाला गया है। 2022 में 63 यात्रियों को इस लिस्ट में डाला गया था। 2017 के बाद से अब तक 143 यात्रियों को नो फ्लाई लिस्ट में डाला गया। इंटरनैशनल एयरट्रांसपोर्ट असोसिएशन (आईटीए) के मुताबिक, 2021 में कोविड नियम तोड़ने के 5,672 मामले दुनिया भर में दर्ज हुए। 2022 में इसी के 4,242 मामले दर्ज हुए। इसी कड़ी में महाराष्ट्र से एक सांसद का नाम भी जुड़ा। उन पर आरोप था कि उन्होंने बिजनेस क्लास में सीट नहीं मिलने पर एयर इंडिया के एक कर्मचारी की चप्पल से पिटाई कर दी। उनके पास बिजनेस क्लास का टिकट था, लेकिन उस विमान में सिर्फ इकॉनमी क्लास की सीटें ही थीं। वैसे, मुंबई के जूलर ब्रिज किशोर सल्ला नवंबर 2017 में पहले ऐसे यात्री घोषित हुए थे, जिनका नाम नो फ्लाई लिस्ट में डाला गया था। जेट एयरवेज ने पांच वर्ष के लिए उनके विमान यात्रा करने पर प्रतिबंध लगाया था। आरोप था कि उन्होंने कार्गो में बम रखे जाने की झूठी सूचना शौचालय में नोट लिख कर छोड़ दी थी।

बिगड़ैल हवाई यात्रियों पर कैसे लगे लगाम?

(वीरेन्द्र मेहता)

भारत से लंदन उड़े एक विमान में सोमवार को एक यात्री ने क्रू की पिटाई कर दी, जिसके चलते आनन-फानन उसे वापस दिल्ली हवाई अड्डे पर लाया गया। इस विमान में दो सौ से अधिक यात्री सवार थे। उड़ते जहाज के अंदर इस तरह की हरकतें न केवल सैकड़ों यात्रियों की जान जोखिम में डालती हैं बल्कि विमान की सुरक्षा पर भी सवाल उठाती हैं।

ऐसे उत्पातियों पर नकेल कसने के लिए सरकार और विमान कंपनियों ने उपाय तो किए हैं, लेकिन बार-बार होती घटनाएं बताती हैं कि ये उपाय प्रभावी नहीं साबित हो रहे। नागर विमानन मंत्रालय ने इस घटना का जो ब्योरा जारी किया है, वह भी कमोबेश यही कह रहा है

इस साल के शुरुआती महीनों में बुरा बर्ताव करने वाले तीन यात्रियों को नो फ्लाई लिस्ट में डाला गया है। 2022 में 63 यात्रियों को इस लिस्ट में डाला गया था। 2017 के बाद से अब तक 143 यात्रियों को नो फ्लाई लिस्ट में डाला गया। इंटरनैशनल एयरट्रांसपोर्ट असोसिएशन (आईटीए) के मुताबिक, 2021 में कोविड नियम तोड़ने के 5,672 मामले दुनिया भर में दर्ज हुए। 2022 में इसी के 4,242 मामले दर्ज हुए।

इसी कड़ी में महाराष्ट्र से एक सांसद का नाम भी जुड़ा। उन पर आरोप था कि उन्होंने बिजनेस क्लास में सीट नहीं मिलने पर एयर इंडिया के एक कर्मचारी की चप्पल से पिटाई कर दी। उनके पास बिजनेस क्लास का टिकट था, लेकिन उस विमान में सिर्फ इकॉनमी क्लास की सीटें ही थीं। वैसे, मुंबई के जूलर ब्रिज किशोर सल्ला नवंबर 2017 में पहले ऐसे यात्री घोषित हुए थे, जिनका नाम नो फ्लाई लिस्ट में डाला गया था।

जेट एयरवेज ने पांच वर्ष के लिए उनके विमान यात्रा करने पर प्रतिबंध लगाया था। आरोप था कि उन्होंने कार्गो में बम रखे जाने की झूठी सूचना शौचालय में नोट लिख कर छोड़ दी थी।

विमानों में लगातार बढ़ती अनुशासनहीनता के मद्देनजर सरकार ने 2017 में कुछ नियम-कानून बनाए थे। मूलरूप से यह प्रतिबंधों की शक्ल में ही हैं, जो यात्रियों की बर्ताव की प्रकृति के अनुसार तीन लेवल पर काम करते हैं-

पहले स्तर में बोलचाल के जरिए किया उत्पीड़न है। इसमें एयरलाइंस तीन महीने तक यात्रा करने पर प्रतिबंध लगा सकती हैं।

दूसरे स्तर पर शारीरिक उत्पीड़न है। इसमें छह माह तक यात्रा पर प्रतिबंध लग सकता है।

जीवन को खतरे में डालने के मामलों में दो साल से आजीवन यात्रा पर प्रतिबंध लगाने की व्यवस्था है।

दरअसल, यात्री को नो फ्लाई लिस्ट में डालने की बात तभी आती है, जब वरिष्ठ पायलट उसके खिलाफ शिकायत दर्ज कराते हैं। इस पर एयरलाइंस की आंतरिक कमिटी मामले की जांच करके 30 दिनों में प्रतिबंध की समयसीमा तय करती है। प्रतिबंधित यात्री कमिटी की सिफारिश के विरुद्ध 60 दिनों में मंत्रालय के पैनल के समक्ष पुनर्विचार याचिका दाखिल कर सकता है। अगर पैनल आंतरिक कमिटी की सिफारिश को ही मंजूरी देता है, तब यात्री के पास हाईकोर्ट से राहत पाने का विकल्प ही बचता है। लेकिन इसकी खामी यह है कि बाकी एयरलाइंस यात्री पर लगे प्रतिबंध को मानने के लिए बाध्य नहीं हैं।

विमान में उत्पात की घटनाएं भारत ही नहीं, विदेशों में भी हो रही हैं। वजह यह है कि इन घटनाओं को रोकने के नियम अब भी ढीले हैं। ये घटनाएं सरकार को सतर्क तो कर रही हैं, मगर इनसे विमान यात्रियों की सुरक्षा संबंधी चिंता शांत करने में खास मदद नहीं मिल रही। अब जरूरत है कि सरकार 2017 में बनाए नियमों की एक बार फिर समीक्षा करे और देखे कि उत्पातियों का क्या इंतजाम किया जा सकता है। ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

सचिन पायलट के सब्र का जो बाँध टूटा है वह कांग्रेस को बहा कर सत्ता से बाहर कर सकता है

(नीरज कुमार दुबे)

दरअसल कांग्रेस को जिस तरीके से चलाया जा रहा है उससे खिन्न होकर सिर्फ अनुभवी और वरिष्ठ नेता ही नहीं बल्कि युवा भी पार्टी छोड़ रहे हैं। जो वरिष्ठ नेता और युवा अभी कांग्रेस में बचे हुए हैं वह पार्टी में अपना स्थान सुरक्षित करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। कांग्रेस ने पिछले साल उदयपुर में चिंतन किया, उसके बाद भारत जोड़ो यात्रा निकाली और इस साल रायपुर में महा अधिवेशन किया। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने पार्टी में आमूल चूल सुधार को लेकर बड़ी-बड़ी बातें कहीं, लेकिन नतीजा शून्य रहा। कांग्रेस नेताओं में उत्तर से लेकर दक्षिण तक और पूरब से लेकर पश्चिम तक पार्टी छोड़ने की जो होड़ लगी है वह दर्शा रही है कि आजादी की लड़ाई लड़ने वाली यह पार्टी आजादी के अमृत काल में पतन की ओर बढ़ रही है। दरअसल कांग्रेस को जिस तरीके से चलाया जा रहा है उससे खिन्न होकर सिर्फ अनुभवी और वरिष्ठ नेता ही नहीं बल्कि युवा भी पार्टी छोड़ रहे हैं। जो वरिष्ठ नेता और युवा अभी कांग्रेस में बचे हुए हैं वह पार्टी में अपना स्थान सुरक्षित करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। राजस्थान में कांग्रेस ने सचिन पायलट का जो हाल किया है उसको देखकर ज्योतिरादित्य सिंधिया, जितिन प्रसाद और हिमंत बिस्व सरमा आदि नेता शुक्र मना रहे होंगे कि सही समय पर कांग्रेस छोड़ दी वरना उन्हें भी ऐसे ही अनशन पर बैठना पड़ रहा होता। सचिन पायलट जो मुद्दे उठा रहे हैं वह सही हैं या गलत, इसकी विवेचना की बजाय यह देखना चाहिए कि कांग्रेस में कैसे युवाओं का हक मारा जाता है। पिछले विधानसभा चुनावों के समय सचिन पायलट राजस्थान में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष थे जबकि अशोक गहलोत कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) के पद पर काम कर रहे थे। सचिन पायलट ने तत्कालीन वसुंधरा राजे सरकार के खिलाफ जनमत तैयार कर कांग्रेस को जीत दिलाई लेकिन उनका हक मारकर गहलोत को दिल्ली से जयपुर भेजकर मुख्यमंत्री बना दिया गया। सचिन पायलट ने लगातार अपमानित किये जाने के चलते आवाज उठाई तो उन्हें गद्दार और निकम्मा बता दिया गया। उन्हें बार-बार धैर्य रखने के लिए समझाया जाता रहा लेकिन सब्र का बांध एक दिन टूटता ही है। अब राजस्थान में यह जो बाँध टूटा है उससे इस वर्ष होने वाले राजस्थान विधानसभा चुनावों में कांग्रेस बह कर सत्ता से बाहर जा सकती है। वैसे बात सिर्फ राजस्थान तक ही सीमित नहीं है, जिस तरह छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और कैबिनेट मंत्री टीएस सिंहदेव के बीच जंग छिड़ी हुई है वह भी चुनावी वर्ष में कांग्रेस के लिए बड़ा सिरदर्द साबित हो सकती है।

समानता का अधिकार दिलाने के लिए आजीवन प्रयासरत रहे थे बाबा साहेब अम्बेडकर

बाबा साहेब की पत्रकारिता का प्राथमिक उद्देश्य अवश्य ही अस्पृश्य समाज की समस्याओं को उठाना और उन्हें समानता का अधिकार दिलाना था लेकिन यदि हम बाबा साहेब की समूची पत्रकारिता से होकर गुजरते हैं, तो हमें ध्यान आता है कि उनकी पत्रकारिता संपूर्ण समाज और मानवता के प्रति समर्पित थी। उनकी पत्रकारिता में मानवीय संवेदनाओं के साथ राष्ट्रीय स्वर भी है। उनकी पत्रकारिता में प्रत्येक स्थान पर 'भारत' उपस्थित रहा। उनके समाचारपत्रों के नाम से ही इस बात को समझा जा सकता है।

(लोकेन्द्र सिंह राजपूत)

बाबा साहेब भली प्रकार समझते थे कि दीर्घकाल तक चलने वाली सामाजिक क्रांति की सफलता के लिए एक प्रभावी समाचार-पत्र का होना आवश्यक है। पत्रकारिता की आवश्यकता और प्रभाव को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा भी था- जैसे पंख के बिना पक्षी होता है, वैसे ही समाचार-पत्र के बिना आंदोलन होते हैं।

बाबा साहेब डॉ. भीमराव रामजी अम्बेडकर का व्यक्तित्व बहुआयामी, व्यापक एवं विस्तृत है। उन्हें हम उच्च कोटि के अर्थशास्त्री, कानूनविद, संविधान निर्माता, ध्येय निष्ठ राजनेता और सामाजिक क्रांति एवं समरसता के अग्रदूत के रूप में जानते हैं। सामाजिक न्याय के लिए उनके संघर्ष से हम सब परिचित हैं। बाबा साहेब ने समाज में व्याप्त जातिभेद, ऊंच-नीच और छुआछूत को समाप्त कर समता और बंधुत्व का भाव लाने के लिए अपना जीवन लगा दिया। वंचितों, शोषितों एवं महिलाओं को उनके अधिकार दिलाने के लिए बाबा साहेब ने अलग-अलग स्तर पर जागरूकता आंदोलन चलाए। अपने इन आंदोलनों एवं वंचित वर्ग की आवाज को वृहद् समाज तक पहुँचाने के लिए उन्होंने पत्रकारिता को भी साधन के रूप में अपनाया। उनके ध्येय निष्ठ, वैचारिक और आदर्श पत्रकार-संपादक व्यक्तित्व की जानकारी अपेक्षाकृत बहुत कम लोगों को है। बाबा साहेब ने भारतीय पत्रकारिता में उल्लेखनीय योगदान दिया है। पत्रकारिता के सामने कुछ लक्ष्य एवं ध्येय प्रस्तुत किए। पत्रकारिता कैसे वंचित समाज को सामाजिक न्याय दिला सकती है, यह यशस्वी भूमिका बाबा साहेब ने निभाई है। बाबा साहेब ने वर्षों से 'मूक' समाज को अपने समाचारपत्रों के माध्यम से आवाज देकर 'मूकनायक' होने का गौरव अर्जित किया है।

बाबा साहेब भली प्रकार समझते थे कि दीर्घकाल तक चलने वाली सामाजिक क्रांति की सफलता के लिए एक प्रभावी समाचार-पत्र का होना आवश्यक है। पत्रकारिता की आवश्यकता और प्रभाव को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा भी था- जैसे पंख के बिना पक्षी होता है, वैसे ही समाचार-पत्र के बिना आंदोलन होते

हैं। मानवतावादी लक्ष्य की प्राप्ति के लिए उन्होंने पत्रकारिता को अपना साधन बनाने का निश्चय किया और 1920 में 'मूकनायक' के प्रकाशन के साथ बाबा साहेब ने पत्रकारिता के क्षेत्र में प्रवेश किया। मूकनायक से शुरू हुई यह पत्रकारिता 'बहिष्कृत भारत', 'जनता' और 'प्रबुद्ध भारत' तक जाती है। उन्होंने मूकनायक के पहले ही अंक में लिखा- हमारे इन बहिष्कृत लोगों पर हो रहे तथा भविष्य में होने वाले अन्याय पर उपाय सुझाने हेतु तथा भविष्य में इनकी होने वाली उन्नति के लिए जरूरी मार्गों पर चर्चा हो इसके लिए पत्रिका के अलावा और कोई दूसरी जमीन नहीं है। इसी तरह पत्रकारिता के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए डॉ. अंबेडकर ने लिखा है- सारी जातियों का कल्याण हो सके, ऐसी सर्वसमावेशक भूमिका समाचार-पत्रों को लेनी चाहिए। यदि वे यह भूमिका नहीं लेते हैं, तो सबका अहित होगा।

बाबा साहेब की पत्रकारिता का प्राथमिक उद्देश्य अवश्य ही अस्पृश्य समाज की समस्याओं को उठाना और उन्हें समानता का अधिकार दिलाना था लेकिन यदि हम बाबा साहेब की समूची पत्रकारिता से होकर गुजरते हैं, तो हमें ध्यान आता है कि उनकी पत्रकारिता संपूर्ण समाज और मानवता के प्रति समर्पित थी। उनकी पत्रकारिता में मानवीय संवेदनाओं के साथ राष्ट्रीय स्वर भी है। उनकी पत्रकारिता में प्रत्येक स्थान पर 'भारत' उपस्थित रहा। उनके समाचारपत्रों के नाम से ही इस बात को समझा जा सकता है। जब बाबा साहेब ने छापेखाने की स्थापना की, तब उसका नाम भी 'भारत भूषण' रखा। उनकी पत्रकारिता को 'दलित पत्रकारिता' तक सीमित करके नहीं रखा जा सकता। यदि हम ऐसा करते हैं, तब उनके साथ और उनकी पत्रकारिता के साथ न्याय नहीं कर रहे होते हैं। बाबा साहेब की पत्रकारिता को संपूर्ण समाज का सहयोग भी प्राप्त हुआ। बाबा साहेब अपने समाचारपत्रों के माध्यम से समस्त हिन्दू समाज का प्रबोधन कर रहे थे। समतापूर्ण समाज का निर्माण करने के लिए अस्पृश्य वर्ग में आत्मविश्वास जगाना आवश्यक था और सवर्ण समाज को आईना दिखाकर उनको यह समझाना कि मनुष्य के साथ भेद करने का कोई तर्क नहीं, सब बराबर हैं। पत्रकारिता को माध्यम बना कर उन्होंने यह कार्य कुशलता एवं प्रभावी तरीके से किया। बाबा साहेब का लेखन आज भी प्रासंगिक है। उनके द्वारा उठाए गए सामाजिक प्रश्न हों, आर्थिक विषय हों या फिर सांप्रदायिक एवं देश-बाह्य विचारधारों के खतरे, सब पर उन्होंने उस समय जो मार्गदर्शन किया, वह आज की परिस्थितियों में भी पाथेय है।

आज की पत्रकारिता को भी बाबा साहेब जैसे संकल्पित पत्रकार-संपादक चाहिए, जो पत्रकारिता के सामाजिक महत्व को जानकर पत्रकारिता के क्षेत्र में प्रवेश करते हैं और आजन्म समाजोत्थान के लिए ही पत्रकारिता का उपयोग करते हैं। निःसंदेह बाबा साहेब ने अपनी पत्रकारिता के माध्यम से इस क्षेत्र के लिए जो प्रतिमान स्थापित किए, वे हमेशा के लिए भारतीय पत्रकारिता को दिशा देने का काम कर सकते हैं। इस संदर्भ में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक दत्तोपन्त ठेंगड़ी ने अपनी पुस्तक 'डॉ. अम्बेडकर और सामाजिक क्रान्ति की यात्रा' में लिखा है भारतीय समाचार-पत्र जगत की उज्ज्वल परंपरा है। परंतु आज चिंता की बात यह है कि संपूर्ण समाज का सर्वांगीण विचार करनेवाला, सामाजिक उत्तरदायित्व को माननेवाला, लोकशिक्षण का माध्यम मानकर तथा एक व्रत के रूप में समाचार-पत्र का उपयोग करनेवाला डॉ. अम्बेडकर जैसा पत्रकार दुर्लभ हो रहा है। उक्त विचार ही बाबा साहब की पत्रकारिता का संदेश और सार है।

(लेखक माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में सहायक प्राध्यापक हैं।)

आर एन आई (टी सी) नं- JHAHIN01027,स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक डॉ सिकन्दर कुमार द्वारा माँ भवानी आर्ट भागलपुर रोड नीयर सिनेमा हॉल दुधानी दुमका से मुद्रित एवं झारखण्ड देखो कार्यालय मजिस्ट्रेट कॉलोनी बंदरजोरी, दुमका से प्रकाशित,
प्रधान संपादक डॉ सिकन्दर कुमार, मोबाइल नं-9955599136(इस अंक में प्रकाशित समाचारों का चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी)

सुझाव

बच्चों को खर्राटे आने की वजह

बच्चों को खर्राटे आने की वजह टॉन्सिल्स बढ़े होना, जीभ मोटी होना, जुकाम या हड्डी टेढ़ी होने से नाक में रुकावट।

क्या हैं लक्षण- तेज आवाज के साथ सांस लेना और छोड़ना। थोड़ी-थोड़ी देर में कुछ सेकेंड के लिए सांस का रुकना। धीरे-धीरे सांस रुकने की रफ्तार और समय बढ़ना। सोते-सोते सांस न आने पर हड़बड़ा कर जागना। पूरा दिन सुस्त और आलस से भरे रहना। नींद पूरी होने पर भी दिनभर नींद आना। थकान महसूस होना।

उपाय- अगर बच्चों के टॉन्सिल्स या गिल्टी बढ़ी हुई हो तो सर्जरी करके बच्चों को स्लीप एप्निया होने से बचाया जा सकता है। कई बार यूव्यल को भी काट दिया जाता है ताकि बच्चे को आगे जाकर एप्निया जैसी बीमारी न हो जाए। नाक की हड्डी बढ़े होने पर 16-17 साल तक उसकी सर्जरी नहीं की जाती। खर्राटे की समस्या अनुवांशिक नहीं होती

फैक्ट- अगर किसी को खर्राटों की समस्या है और वह सर्जरी करवा कर उसे खत्म कर देता है तो इसका यह मतलब नहीं कि अब उसके बच्चों को यह परेशानी नहीं हो सकती। खर्राटों में फैमिली हिस्ट्री काफी अहम होती है।

टेस्ट- डायनैमिक एमआरआई-यह खर्राटों के लेवल की जांच के लिए की जाती है। इसमें 1-2 मिनट लगते हैं। इसमें व्यक्ति को सोने के लिए कहा जाता है और तब उसके खर्राटे, थूक निगलना, सोने का तरीका आदि ऑब्जर्व किया जाता है।

स्लीप स्टडी- यह एक तरह का टेस्ट है, जो व्यक्ति के सोने के बाद उसकी गतिविधियों पर निगाह रखता है। समस्या ज्यादा होने पर यह टेस्ट किया जाता है। इसमें सोते समय शख्स को मशीनों की देखरेख में रखा जाता है। उसे नॉर्मल तरीके से रोज की तरह सोना होता है। इस दौरान मशीनें शरीर की प्रतिक्रिया को नोट करती हैं। स्लीप स्टडी करवाने से पहले व्यक्ति को ऐसी कोई दवा नहीं लेनी होती, जिससे उसे नींद आए। इस टेस्ट के बाद जो नतीजा आता है उसे पॉलीसोम्नॉग्राफी जाता है। टेस्ट में व्यक्ति के खर्राटे लेने का तरीका, सोते समय वह कितनी बार उठता है, दिमाग और आंख की गतिविधियां, ब्लड में ऑक्सिजन और कार्बन-डाई-ऑक्साइड का लेवल, दिल की गतिविधि आदि पर गौर किया जाता है। साथ ही, व्यक्ति का स्लीपिंग बिहेवियर जैसे कि सोते समय दांत पीसना, सांस कितनी देर में और कितनी देर के लिए रुकती है जैसी बातें भी ऑर्ब्जव की जाती हैं। इस स्टडी के बाद ही इलाज शुरु किया जाता है। मसलन टेस्ट में अगर घंटे भर में सांस 25 बार से ज्यादा रुक रही है तो इसे खतरनाक माना जाता है।

खर्चा 6-7 हजार रुपये तक

स्लीप एप्निया अगर खर्राटों का वक्त पर इलाज न किया जाए तो यह स्लीप एप्निया नामक बीमारी बन सकती है। स्लीप एप्निया में सोते समय सांस कुछ सेकेंड के लिए रुक जाती है। ऐसे में रुकावट के बाद तीखी आवाज के साथ सांस आती है, जो उसके पास सो रहे व्यक्ति को डरा देती है। अक्सर लोग इसे भी खर्राटा ही समझते हैं, जबकि वास्तव में कुछ सेकेंड के लिए सांस रुक जाती है। तो सांस रुकने का समय बढने लगता है और धीरे-धीरे यह खतरनाक स्टेज पर पहुंच जाता है। इसमें व्यक्ति की मौत भी हो सकती है।

घर का डॉक्टर हींग

हींग को हम रोज खाने का स्वाद बढाने के लिए दाल, सब्जियों में डालते हैं। इससे खाना जायकेदार तो बनता ही हैं साथ ही ये पेट के लिए भी अच्छा रहता है।अपच, पेट दर्द, दांत दर्द, खांसी, सर्दी कारण सिरदर्द, आदि के गुणों से भरपूर है। यह रूचिकारक बात-कफ को दूर करने वाली उदर संबंधी रोग, पेट की गैस और कमियों को नष्ट करने वाली है।घर की डॉक्टर हींगहींग को पानी में उबालकर उस पानी से कुल्ले करने से दांत का दर्द कम होता है।

करियर का अच्छा मौका है फैशन

रंगो और कपड़ो के सयोजन से एक ऐसी पोशाक बनाना जिसको देखकर लोगो के मुह से वाओ शब्द निकल जाये यही असली मायने में फैशन कहलाता है. आज के युग को फैशन का युग कहा जाता है. दुनिया का चकाचौंद में हर कोई फैशन के रंग में रंगा हुआ नजर आता है। फैशन डिज़ाइनिंग को आम तौर पर कॅरियर का एक आप्शन भर माना जाता है. जबकि ऐसा नहीं है, दरअसल यह एक ऐसी कला है जो ड्रेस और एक्सेसरीज़ की मदद से किसी इन्सान की लाइफ स्टाइल को सामने लाती है

क्या है फैशन डिजाइनिंग?

मॉडर्न फैशन के अंतर्गत दो विभाग हैं. पहला वर्ग है पोशाकों को डिज़ाइन करना और दूसरा रेडी-टू-वियर अर्थात तैयार पोशाकें। इन दोनो वर्गों मे फैशन डिज़ाइनिंग का इस्तेमाल प्रथम वर्ग मे किया जाता है। वर्तमान समय मे फैशन शो इसी के बूते चल रहे हैं। इन शो के ज़रिए ही फैशन डिज़ाइनर्स की सृजनात्मकता और रचनात्मकता का पता चलता है.

अहमियत रंग और बुनावट की

यदि किसी को टेक्सटाइल, पैटर्न, कलर कोडिंग, टेक्सचर आदि का अच्छा ज्ञान हो तो फैशन डिज़ाइनिंग को कॅरियर के रूप मे अपनाने मे उसे बिल्कुल हिचकना नहीं चाहिए. उसकी सफलता को कोई गुंजाइश नहीं रह जाती और उसका नाम फैशन इंडस्ट्री मे तहलका मचा सकता है। खासकर भारत जैसे देश में जहाँ के फैशन मे पश्चिमी सभ्यता का भी संगम है, और इसी मिलन ने फैशन इंडस्ट्री को एक नयी दिशा और पहचान दी है। फॅशन डिज़ाइनिंग मे रंगों के संयोजन और कपड़े के आधार पर उसकी बुनाई का बड़ा महत्व है। एक तरह से ये ही फैशन डिज़ाइनिंग का सार है. इन की बिनाह पर ही लुक्स संभव हो सकते हैं. इसके बाद व्यावसायिक कुशलता, कट, डिज़ाइन, सहायक सामग्री मिलकर ही पोशाक का मूल स्वरूप तय कर सकते हैं।

मौसम के साथ बदलता है फैशन का भी

मिजाज यह भी ज़रूरी है की इसे पूरी विधि के साथ संपूर्ण किया जाए। प्लान तैयार करके, ब्लू प्रिंट्स ड्रॉ करने के बाद ही फाइनल आउटकम प्राप्त होगा। डिज़ाइन की सफलता स्वाभाविक रूप से उसकी फिनिशिंग फैशन डिज़ाइनिंग का सबसे महत्वपूर्ण पहलू ये है कि फैशन किसी ना किसी थीम पर निर्भर करता है. जैसे-मौसम, लोगों की पसंद विशेष आदि. अगर आपने गौर किया हो तो फैशन प्रमुखत- मौसम के अनुसार होता है. उदाहरण के लिए सर्दी के मौसम मे आपको उसी के अनुरूप रंग और फैब्रिक देखने को मिलेगा। इसके साथ ही ऊनी कपड़े, पोलो नेक, नीले और ब्राउन देखने को मिलेंगे. इसके विपरीत गर्मियों में आपको कैजुअल, कॉटन और सफ़ेद रंग मिलेंगे।

क्या है इन और क्या है आउट

फैशन कभी भी स्थाई नही होता है,समय के स ाथ इसमे परिवर्तन होते रहते हैं। वर्तमान ने स्पेगेटी का फैशन गया और हॉल्टर नेक्स चल रहे हैं। स्कर्ट चलन में हैं और पैंटसूट्स का दौर जा चुका है। इसीलिए परिवर्तन की गति को देखते हुए, इस फील्ड मे आने व ाले हर इंसान को चौकन्ना रहना होगा। और इस बात के लिए कि क्या पहना जाना चाहिए और क्या नही? फैशन का प्रमुख केंद्र सेलिब्रिटीज़, सोशलाइट्स, मॉडल्स आदि रहे हैं।

ग्लैमर कम नहीं

कुल मिलकर फैशन डिज़ाइनिंग बहुत ही चुनौती भरा और ग्लैमर से भरपूर भरा व्यवसाय है, जिसमे राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय स्तर पर आयोजन होते हैं. जैसे: आईएमजी फैशन वीक, लक्मे फैशन वीक आदि। बहुत से फैशन डिज़ाइनिंग इन्स्टिट्यूट जैसे: नॅशनल इन्स्टिट्यूट ऑफ डिज़ाइन, अहमदाबाद, नॅशनल इन्स्टिट्यूट ऑफ फैशन टेक्नाल ॅजी, स ोफिया पॉलि टेक्निक आदि।

रेड बर्थमार्क के कारण निदान और इलाज

बर्थमार्क्स यानी जन्मजात निशान त्वचा पर मौजूद बदरंग निशान होते हैं। कई नवजात शिशुओं में लाल अथवा कुछ अन्य प्रकार के निशान होते हैं। आमतौर पर ये निशान जन्म के कुछ सप्ताहों के भीतर ही नजर आ जाते हैं। ये निशान त्वचा के करीब मौजूद रक्त वाहिनियों द्वारा बनते हैं। इन निशानों के बनने की बड़ी वजह त्वचा में पिग्मेंटशन के कारण रक्तवाहिनियों का अधिक निर्माण होता है।

पोर्ट वाइन स्टेन

इन निशानों की मुख्य वजह रक्तवाहिनियों की चौड़ाई निर्धारित करने वाली प्रक्रिया में असंतुलन का होना है। परिणामस्वरूप, इस क्षेत्र में निरंतर प्रवाहित होने वाला रक्त लाल अथवा बैंगनी हो जाता है। पोर्ट वाइन स्टेन इसके अलावा स्ट्रग-वेबर-सिंड्रोम और क्लिपल ट्रेनायूने सिंड्रोम के कारण भा हा सकता है।

कारण

आमतौर पर इन निशानों का मुख्य कारण किसी को नहीं पता। और साथ ही इन निशानों को होने से रोकने के लिए ही कुछ किया जा सकता है। बर्थमार्कस के कारकों के बारे में भले ही अधिक जानकारी न हो, लेकिन इतना तो साफ है कि वाहिकीय समस्याओं से होने वाले बर्थमार्कस अनुवांशिक नहीं होते। जानकार मानते हैं कि इसके पीछे त्वचा कोशिकाओं को प्रभावित करने वाले स्थानिक कारण अधिक उत्तरदायी होते हैं।

निदान

रेड बर्थमार्क्स के निदान की प्रक्रिया इस बात पर निर्भर करती है कि आखिर ये निशान नजर कैसे आते हैं। डॉक्टर इनका इलाज करने से पहले इनकी अच्छी तरह जांच करते हैं। बर्थमार्कस की गहरी जांच करने के लिए डॉक्टर बॉयोपसी, सीटी स्कैन और एमआरआई भी करने की सलाह दे सकता है।

इलाज

- अधिकतर बर्थमार्कसकिसी प्रकार की परेशानी खड़ी नहीं करते और उन्हें किसी इलाज की जरूरत नहीं होती। हालांकि, कुछ रेड बर्थमार्कस से परेशानी हो सकती है। कुछ निशान तो कैंसर का रूप भी ले सकते हैं। रेड बर्थमार्कस बच्चे के थोड़ा बड़े होने के साथ ही गायब भी हो जाते हैं। बहुत कम निशान ही रक्तवाहिनियों के ट्यूमर में परिवर्तित हो सकते हैं। इन्हें हेमेनगिओमस कहा जाता है। कुछ निशान ऐसे भी होते हैं, जो ठीक नहीं होते और स्थायी रूप से साथ रहते हैं।
- हेमेनगिओमस को इलाज करवाने की जरूरत तब पड़ती है, जब इनका असर आपके लुक पर पड़ता हो। इसके साथ ही अगर इससे आपको भावनात्मक तनाव अथवा दर्द होता हो, तो भी आपको इसका इलाज करवाना चाहिये। इतना ही नहीं अगर हेमेनगिओमस के आकार, स्वरूप अथवा रंग में किसी प्रकार के बदलाव का आभास होने पर भी इलाज करवाया जाना चाहिये। हेमेनगिओमस यदि बच्चे की आंख के करीब हो, तो उसका इलाज जरूर करवाना चाहिये, क्योंकि इसका असर उसके देखने की क्षमता पर पड़ सकता है।
- बर्थमाक्स के आकार पर निर्भर करता है कि इसके इलाज में किस प्रकार की इलाज पद्धति को अपनाया जाए। इसके लिए लेजर ट्रीटमेंट से लेकर कॉस्मेटिक के अन्य तरीके भी आजमाये जा सकते हैं। इसके अलावा बर्थमार्कस के निशान को छोटा करने क लिए दवाओं अथवा इंजेक्शन का भी प्रयोग किया जा सकता है।
- बहुत ही दुर्लभ मामलों में बर्थमार्कस का संबंध किसी अन्य बीमारी से होता है।

ऐसे लाएं फेंगशुई बटरफ्लाई से रिश्तों में सुधार

हम सभी की जिंदगी में ऐसा वक्त आता है, जब कुछ भी ठीक नहीं होता. सब कुछ-उलट-पलट हो जाता है. हम किसी भी चीज पर ध्यान नहीं दे पाते और इसका सबसे सीधा असर हमारे रिश्ते पर पड़ता है क्योंकि ये समय और प्यार मांगता है.

वैसे तो रिश्ते सुधारने के लिए पहल आपको खुद करनी होगी और अपनी बातों से और अपने व्यवहार से सामने वाले के दिल में परिवर्तन लाना होगा, लेकिन इसके साथ ही लव लाइफ को बेहतर बनाने केलिए फेंगशुई का एक उपाय और कर लें, तो यह और भी आसान हो जाता है.

सबसे बड़ी बात यह कि इसके लिए आपको बहुत ज्यादा मशक्कत करने की जरूरत भी नहीं है. आपको अपने घर में बस एक खास चीज रखने की जरूरत है और वो है, फेंगशुई बटरफ्लाई.

» प्रेम का भाव बढ़ाने के लिए बेडरूम में फेंगशुई बटरफ्लाई का इस्तेमाल कर सकते हैं. ये नीले रंग के पत्थर के बने होते हैं और प्यार का प्रतीक होते हैं. अगर लव लाइफ को बेहतर बनाने के लिए इस्तेमाल करना है तो एक की बजाय इस तरह की दो तितलियों को रखें और फिर देखिए किस तरह आपके रिश्ते में मिठास घुल जाती है.

» असल में तितली को उन्मुक्त उड़ान का प्रतीक माना जाता है, इसलिए यह रचनात्मकता पर भी सकारात्मक असर डालती है. इसे बच्चों के स्टडी रूम में रख सकते हैं. स्टडी टेबल के सामने वाली दीवार पर इसे टांग सकते हैं. आप इसे चित्र, पोस्टर या पेंटिंग के रूप में भी आजमा सकते हैं.

» इसे गैजेट या ज्वेलरी के रूप में भी शरीर पर धारण किया जा सकता है. पेंडेंट के रूप में तितलियां आकर्षक लुक देंगी. इसे अपने पास की-चेन के रूप में भी रख सकते हैं.

» इसे घर में ऐसे स्थान पर लगाया जाना चाहिए, जहां से यह स्पष्ट रूपसे नजर आए इसलिए दरवाजे के पीछे इसे कभी नहीं लगाएं.

जली हुई प्रैस से लेकर बदबू को भी दूर करता है नमक

खाने की हर चीज में नमक का इस्तेमाल किया जाता है। इसके बिना खाने का स्वाद नहीं आता और शरीर में नमक की कमी हो जाने से नुकसान भी होता है। इन सब के अलावा नमक को घर की साफ-सफाई के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता है। आइए जानिए नमक के ऐसे ही कुछ जबरदस्त फायदों के बारे में जिनके बारे में शायद ही कोई जानता होगा।

1. जली हुई प्रैस

कपड़े प्रैस करते वक्त कई बार वह जल जाते हैं और कपड़े का टुकड़ा आयरन पर चिपक जाता है। जिसे साफ करना मुश्किल होता है और इस प्रैस को जब दूसरे कपड़ों पर इस्तेमाल करते हैं तो वह खराब हो जाते हैं। ऐसे में आयरन को साफ करने के लिए नमक का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए एक वैक्स पेपर(मोम का मोटा कागज) को नीचे बिछा लें और उस पर नमक बिखेर दें। आयरन को अच्छी तरह गर्म करें और इस वैक्स पेपर पर जोर से रगड़ें। जिससे नमक प्रैस पर लगे दाग को आसानी से साफ कर देगा।

2. जला हुआ बर्तन

खाना पकाते समय या घी को गर्म करते वक्त बर्तन कई बार पूरी तरह जल जाता है जो आसानी से साफ नहीं होता। ऐसे में उस बर्तन में 1 कप नमक डालें और उसमें पानी डालकर 10 मिनट तक उबलने के लिए गैस पर रख दें। इससे बर्तन के दाग आसानी से निकल जाएंगे।

3. हाथों की दुर्गंध

प्याज, लहसुन काटते या मांस-मछली बनाने के बाद हाथों में से गंदी दुर्गंध आने लगती है। इसे दूर करने के लिए हाथों पर थोड़ा-सा नमक डालें और अच्छी तरह मलें। फिर पानी से हाथों को साफ करें जिससे बदबू दूर हो जाएगी।

4. चाय की केतली

केतली में चाय या कॉफी रखने के बाद अगर उसे उसी समय साफ न किया जाए तो उसमें दाग रह जाते हैं। ऐसे में केतली में कुछ आइस क्यूब, 1 कप नमक और थोड़ा पानी डालकर अच्छे से हिलाएं जिससे चाय-कॉफी के सूखे हुए दाग साफ हो जाएंगे।

5. तेल की छीटें

गर्म तेल में कुछ भी फ्राई करते समय उसमें से छीटें बाहर आने लगती हैं जिससे हाथ जलने का खतरा रहता है। ऐसे में तेल में पहले थोड़ा सा नमक डालें और उसके बाद तलने के लिए कछ और डालें।

रेसिपी

शकरकंद की रबड़ी

सामग्री

3 कप दूध,आधी कटोरी उबला और कददूकस किया हुआ शकरकंद, 1 चम्मच चीनी बूरा, 1 कप गर्म पानी, 1 चम्मच इलायची पाउडर, एक चुटकी केसर पाउडर, सजावट के लिए, 1 बड़ा चम्मच बारीक कटे काजू और बादाम

विधि

धीमी आंच में एक पैन में दूध डालकर उबाल लें। पहला उबाल आते ही दूध में उबला और कददूकस किया हुआ शकरकंद डालें और अच्छी तरह से मिक्स कर लें। दूध के गाढ़ा होने तक इसे कड़छी से हल्के हल्के चलाते रहें। अब केसर पाउडर और इलायची पाउडर दूध में डालें और 3 से 4 मिनट तक पकाएं। तय समय के बाद आंच बंद कर दें और रबड़ी को एक बॉउल में निकल लें और फिर आधे घंटे के लिए फ्रिज मे ठंडा होने रख दें। तैयार रबड़ी को बारीक कटे काजू और बादाम से गार्निश कर सर्व करें।

मैथी दाना आचार

सामग्री

मेथी के दाने 50 गाम,सरसों का तेल 2-3 टेबल स्पून,नीबू 250 ग्राम,हींग जरा सी,काली मिर्च आधा छोटा चम्मच दरदरी पिसी,सोंफ 1 छोटा चम्मच दरदरी पिसी,हल्दी पाउडर आधा छोटा चम्मच,लाल मिर्च पाउडर आधा छोटा चम्मच,नमक स्वादानुसार।

विधि

मेथी के दानों को अच्छी तरह साफ करें। पैन में तेल डालकर गरम करें और गैस एकदम धीमीं कर दीजिये और तेल को अब मीडियम गरम रहने तक ठंडा कर लीजिये। गरम तेल में मेथी के दाने डालकर लगातार चलाते हुये मेथी के दाने का हल्का सा कलर चेन्ज होने तक भून लीजिये। गैस बन्द कर दीजिये और मेथी दाने में हींग पाउडर, काली मिर्च, सोंफ, हल्दी पाउडर, लालमिर्च पाउडर और नमक डालकर अच्छी तरह मिला दीजिये और अब इन्हैं प्याले में निकाल लीजिये। नीबू को काट कर किसी प्याले में रस निकाल लीजिये और आचार में नीबू का रस डालकर मिला दीजिये। दाना मेथी का अचार तैयार है लेकिन आचार खाने के लिये 3 दिन बाद तैयार होगा जब तक मेथी के दाने नीबू के रस में फूल जायेंगे और सारे मसाले एब्जोर्ब कर लेंगे।

जो ऑडियंस को नहीं समझ आतीं वो उसके लिए सिनेमा हॉल नहीं जा रहे

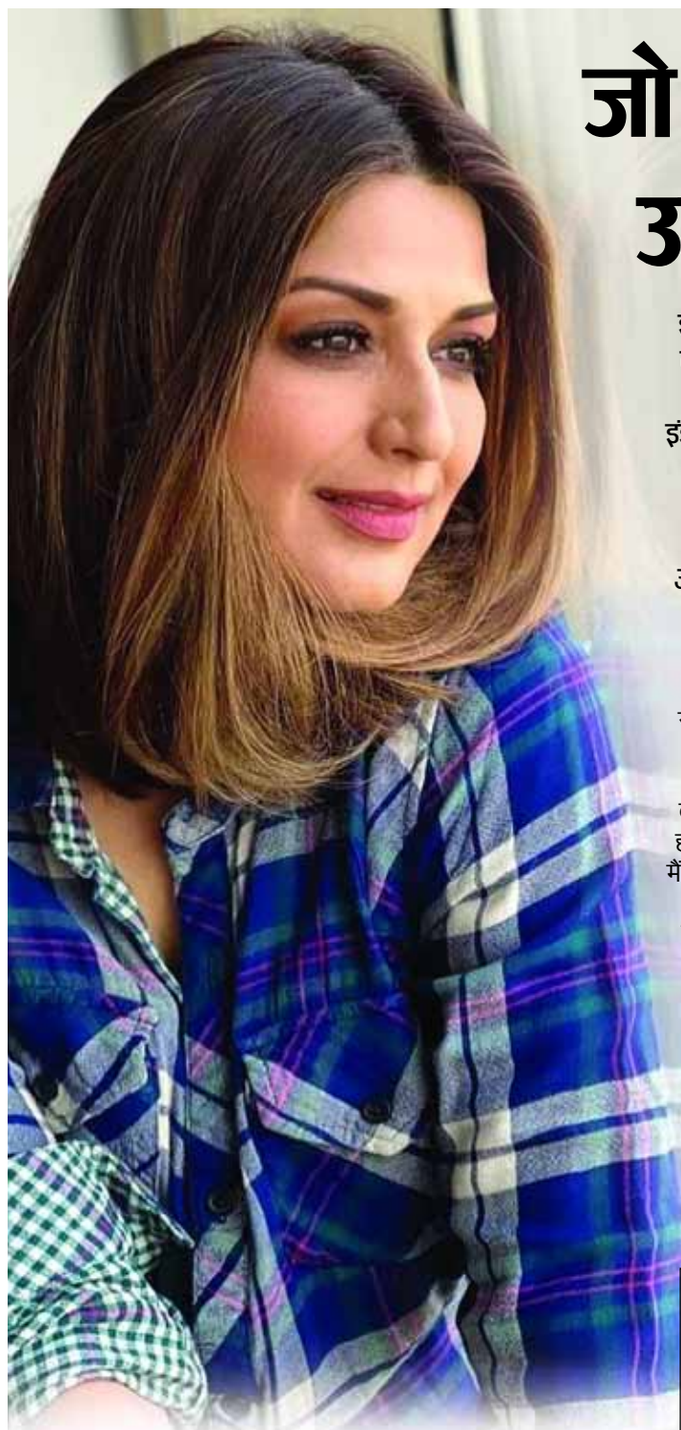

इंडियाज बेस्ट डांसर्स सीजन 3 को जज कर रहीं सोनाली बेंद्रे करीब एक दशक के लंबे ब्रेक के बाद एक बार फिर से इंडस्ट्री में नई पारी खेल रही हैं। सोनाली ने बताया कि क्यों उन्होंने बॉलीवुड से इतना लंबा ब्रेक लिया था। उन्होंने अपने लेटेस्ट इंटरव्यू में बताया कि आखिर क्यों लोग आज सिनेमाघरों की तरफ रुख नहीं कर रहे।

बेटे के लिए लिया था लंबा ब्रेक

एक दशक तक बॉलिवुड से दूरी बनाने के सवाल पर सोनाली बेंद्रे ने कहा कि मुझे उस दौरान लगा कि बेटे को मेरी जरूरत है। दरअसल है क्या, जब आप कोई फिल्म करते हैं तो उसमें आपको किरदार में डूबना होता है। साथ ही कई और भी चीजें होती हैं। मैं उस वक्त अपने बच्चे के साथ समय बिताना चाहती थी। मुझे पता था कि मैं काम और जिम्मेदारी के बीच न्याय नहीं कर पाऊंगी। ऐसे में पर्सनल और प्रफेशनल लाइफ में सामंजस्य बैठा पाना मुश्किल होगा। इस लिहाज से मैंने उस पीरियड में ब्रेक लेना जरूरी समझा।

सेहत और रिश्ते सबसे कीमती हैं

इंडस्ट्री से मिली सबसे बड़ी सीख पर सोनाली कहती हैं कि कोई भी समय एक सा नहीं रहता। अगर आपके अच्छे दिन चल रहे हैं तो वह बदल भी सकते हैं और बुरे दिन आएंगे तो वह भी एक दिन दूर हो जाएंगे। दुनिया गोल है, जहां आप घूम-फिरकर फिर उसी जगह आ जाते हैं और उन्हीं लोगों से मिलते हैं। मैंने यही सीखा है कि अच्छे रिश्ते बनाइए। आपकी सेहत और रिश्ते से ज्यादा कीमती दुनिया में कोई भी चीज नहीं। नया सीखते रहिए और जीवन में आगे बढ़ते रहिए।

हमेशा सच स्वीकारने के लिए तैयार रहें

किसी भी इंडस्ट्री को देखिए, उसमें एक समय बाद चुनौतियां आती हैं। ऐसा इसलिए होता क्योंकि ये बदलाव का वक्त है। मुझे लगता है कि हमारी इंडस्ट्री भी इस समय बदलाव के दौर से गुजर रही है। अगर हम उसे स्वीकार नहीं करेंगे तो आगे नहीं बढ़ पाएंगे। परिवर्तन ही प्रकृति का नियम है। जैसे हम सभी जानते हैं कि जीवन में मृत्यु सबसे बड़ा सच है। जिसका जन्म हुआ है, एक दिन उसकी मौत भी होगी। इसी तरह बदलाव भी है, जो कि होना ही है। हमेशा सच स्वीकारने के लिए तैयार रहना चाहिए क्योंकि आज चाहे जैसी भी परिस्थितियां हों, वो कल कुछ और हो सकती हैं।

काम में मजा आना जरूरी है

जब भी मैं कोई स्क्रिप्ट चुनती हूं तो ये ध्यान में रखती हूं कि उसमें मजा आएगा या नहीं। दरअसल है क्या, रचनात्मक काम में जब मजा आता है, तब ही रचनात्मकता और निखरकर आती है। काम में मजा आना और अच्छा लगना सबसे जरूरी होता है। बाकी पाइपलाइन की बात की जाए तोद ब्रोकेन न्यूज के सीजन-2 की शूटिंग करनी है। इसके अलावा, और भी कई प्रॉजेक्ट हैं, जिस वजह से शेड्यूल व्यस्त रहने वाला है। मैं ऐसे प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना चाहती हूं, जिनकी कहानियों में दम हो। या फिर ऐसे लोग हों, जिनके साथ आप करना चाहते हों।

नई चीजें शामिल करने की जरूरत है

जिन कहानियों को सुनकर लगता है कि ये बड़े पर्दे पर देखनी चाहिए तो उस तरह की फिल्में चलती हैं। जो ऑडियंस को नहीं समझ आतीं तो वो उसके लिए हॉल नहीं जा रहे। बाकी बदलाव का दौर है तो आप अगर नई और सही चीजें शामिल करके सिनेमा बनाएंगे तो दर्शक जरूर थिएटर पहुंचेंगे।

टेनिस प्रीमियर लीग के पोस्ट शूट के बाद नजर आईं सोनाली बेंद्रे, बताया- टेनिस का खेल है पसंद

प्रतिभागियों का हुनर देखकर दंग हूं शोइडियाज बेस्ट डांसर्स सीजन-3 से जुड़कर मजा आ रहा है। फिलहाल, अभी सिर्फ ऑडिशंस हुए हैं, आगे चलकर शो और दिलचस्प होने वाला है। इसमें एक से बढ़कर एक हुनरबाज आए हैं, जिन्हें देखकर मैं दंग हूं। मैं गीता और टेरेंस (अन्य जज) से भी कह रही थी कि इन्हें किसी भी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भेज दो, ये वहां जीतकर आएंगे। एक से बढ़कर एक काबिल आए हैं, तो उनमें से किसी एक का चुनाव सबसे मुश्किल काम है क्योंकि कई बार होता क्या है, आपको अलग-अलग लोगों का काम पसंद आता है। मेरे हिसाब से डांस रियलिटी शो की सबसे बड़ी चुनौती यही है।

दोबारा मां बनना चाहती हैं भारती सिंह

हाल ही में करीना कपूर ने अपने चैट शो 'व्हाट वीमेन वांट' में भारती सिंह को गेस्ट के तौर पर होस्ट किया। करीना और भारती ने शो पर अपने फेवरेट फूड से लेकर बच्चों तक बात की। साथ ही भारती कॉमेडियन होने की जर्नी पर भी बात की।

मुझे जिद्दी बच्चे पसंद हैं बातचीत के दौरान भारती ने अपने बेटे लक्ष्य (गोला) पर भी बात की। भारती ने कहा कि वो चाहती हैं कि उनका बेटा बहुत जिद्दी और नखरे करने वाला बच्चा हो। इतना जिद्दी हो कि कभी-कभी उन्हें शर्मिंदा भी होना पड़े।

मैं चाहती हूं मेरा बच्चा मॉल में लेट जाए, जिद करे

शो पर एक गेम की तरह करीना ने भारती को कुछ सिचुएशन दी थी। इसी गेम के एक राउंड में करीने ने भारती को जिद्दी और नखरेबाज बच्चों को रेट करने के लिए कहा था। इस बात का जवाब देते हुए भारती ने कहा- अच्छे लगते हैं मुझे जिद्दी बच्चे! मैं चाहती हूं मेरे बच्चा मॉल में लेटे ऐसे करके..मेरी इंसलट हो! इस बातचीत के दौरान भारती ने मजेदार अंदाज में बताया कि वो दोबारा मां बनना चाहती हैं। लेकिन, इस बार उन्हें बेटी चाहिए। उन्होंने कहा कि क्या आप ऐसे किसी डॉक्टर को जानते हैं जिसके पास लड़की पैदा करने का कोई इंजेक्शन हो। पिछले साल अप्रैल में भारती सिंह और हर्ष लिंबाचिया का बेटा हुआ था। हाल ही में उन्होंने अपने बेटे गोला का पहला बर्थडे मनाया था। वहीं करीना कपूर ने शो के दौरान अपने बेटे तैमुर और जेह का जिक्र किया। जल्द ही करीना कपूर 'द क्रू', 'द डीवोशन ऑफ सस्पेक्ट एक्स' और 'बंकिघम मर्डर्स' जैसी फिल्मों में नजर आएंगी।

कंगना रनोट ने फिर मारा करण जौहर पर ताना

कंगना रनोट और करण जौहर के बीच जंग और तेज हो गई है। फिल्म मेकर के जवाब के बाद अब कंगना ने फिर से पलटवार किया है। बॉलीवुड की क्वीन ने ताना मारते हुए कहा कि मेरी वजह से तुम्हारी हिंदी सुधर गई अब आगे-आगे देखो होता है क्या...

करण जौहर पर फिर बरसीं कंगना रनोट

पिछले दिनों कंगना रनोट ने करण जौहर पर हमला बोला, क्योंकि सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें करण जौहर पर प्रियंका चोपड़ा और अनुष्का शर्मा का करियर खत्म करने की कोशिश का आरोप लगा। कंगना ने वीडियो शेयर करते हुए करण को चाचा चौधरी कहा था।

फिर कहा नेपो माफिया

अब एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक और नोट शेयर किया है। जिसमें उन्होंने लिखा, एक वक्त था जब चाचा चौधरी एलीट नेपो माफिया वालों के साथ नेशनल टेलीविजन पर मुझे बेइज्जत और बुली करता था क्योंकि मैं अंग्रेजी नहीं बोल सकती थीज्आज इनकी हिंदी देखकर ख्याल आया, अभी तो सिर्फ तुम्हारी हिंदी सुधरी है आगे आगे देखो होता है क्या।

करण जौहर ने कविता में दिया था जवाब

कुछ दिनों पहले ही करण जौहर ने अपने ऊपर लगे इल्जाम के जवाब में इंस्टा स्टोरीज में एक कविता शेयर की। जिसमें लिखा था, लागा लो इल्जाम, हम झुकने वालों में से नहीं, झूठ के बन जाओ गुलाम, हम बोलने वालों में से नहीं, जितना नीचा दिखाओगे, जितने आरोप लगाओगे, हम गिरने वालों में से नहीं, हमारा कर्म हमारी विजय है, आप उठा लो तलवार, हम मरने वालों में से नहीं।

इस वीडियो के बाद शुरू हुआ बवाल

ये सारा हंगामा तब शुरू हुआ जब एक इवेंट में करण ने माना था कि रब ने बना दी जोड़ी में उन्होंने आदित्या चोपड़ा को मना किया था कि वो अनुष्का शर्मा को फिल्म में लॉन्च ना करें। उन्होंने कहा मैं अनुष्का की जगह सोनम को लेने का सुझाव दिया था। मैं तो अनुष्का शर्मा का करियर शुरू होने से पहले ही खत्म करने की फिराक में था।

जूनियर एनटीआरवॉर 2 से बॉलीवुड में नहीं करेंगे डेब्यू!

ऋतिक और टाइगर बने वजह?

इस समय हर तरफ यशराज फिल्म्स की स्पाई यूनिवर्स की चर्चा हो रही है, क्योंकि बैक टू बैक कई बड़े ऐलान हुए हैं। हाल ही में खबर आई किवॉर 2 कोब्रह्मास्त्र के डायरेक्टर अयान मुखर्जी डायरेक्ट करेंगे। इसके बाद ये रिपोर्ट आई कि ऋतिक रोशन और टाइगर श्रॉफ के साथ जूनियर एनटीआर भी होंगे। ये सुनकर फैंस की एक्साइटमेंट कई गुना बढ़ गई, लेकिन अब एक ऐसी खबर सामने आ रही है, जो इस एक्साइटमेंट को खत्म कर सकती है। वो ये कि साउथ स्टार जूनियर एनटीआर इस फिल्म का हिस्सा नहीं होंगे! जानकारी के मुताबिक, जब भी किसी बड़े प्रोजेक्ट की घोषणा होती है तो एक्टर्स की मार्केटिंग टीम उत्साहित हो जाती है। यशराज फिल्म्स की वॉर के सीक्वल की खबर आने ही वाली थी किसनसनीखेज खबर सुनी कि जूनियर एनटीआर, ऋतिक रोशन और टाइगर श्रॉफ के साथ कास्ट में शामिल होंगे।

2025 के अंत तक शुरू नहीं होगी वॉर 2 की शूटिंग

प्रोजेक्ट से जुड़े एक सूत्र ने बताया, लेकिन क्या शामिल हों? वॉर 2 अभी केवल एक आइडिया है। सीक्वल के लिए कोई स्क्रिप्ट नहीं है तो इसमें किसी एक्टर को कैसे कास्ट किया जा सकता है? प्रोड्यूसर आदित्य चोपड़ा द्वारा तय किया गया है कि अयान मुखर्जी इसे डायरेक्ट करेंगे। इसके अलावा वॉर 2 के लिए अभी कुछ नहीं है। ब्रह्मास्त्र पार्ट 2 और 3 को पूरा करने के बाद ही अयान इस प्रोजेक्ट को शुरू करेंगे। वॉर 2 की शूटिंग 2025 के अंत तक शुरू नहीं होगी।

इस वजह से जूनियर एनटीआर कभी नहीं करेंगे वॉर 2

एक करीबी सूत्र ने रिपोर्ट पर रिएक्शन देते हुए कहा, तुम पागल हो? एनटीआर अपने बॉलीवुड डेब्यू के रूप में कभी भी दो-हीरो वाली फिल्म का हिस्सा बनने के लिए सहमत नहीं होंगे।

शाहिद कपूर के साथ रोमांस करती दिखेंगी कृति सेनन

जियो स्टूडियोज और मैडॉक फिल्म्स ने बीते दिनों एक रॉम-कॉम कॉमेडी फिल्म की घोषणा की थी। इस फिल्म में शाहिद कपूर और कृति सेनन साथ नजर आने वाले हैं। वहीं अब इस अनटाइटल फिल्म की शूटिंग पूरी हो गई है। इस फिल्म को अमित जोशी डायरेक्ट कर रहे हैं। कृति सेनन ने इस फिल्म का एक पोस्टर शेयर करते हुए इसकी जानकारी दी है। पोस्टर में शाहिद और कृति समंदर किनारे बाइक पर रोमांटिक अंदाज में एक-दूसरे के आमने-सामने बैठे दिख रहे हैं। तस्वीर में शाहिद ब्लू डेनिम जिंस और व्हाइट शर्ट पहने दिख रहे हैं। वहीं कृति सेनन शॉर्ट स्कर्ट और क्रॉप टॉप पहने नजर आ रही हैं। इस पोस्टर में फिल्म की टैगलाइन लिखी है, एक असंभव प्रेम कहानी। इस पोस्टर को शेयर करते हुए कृति सेनन ने कैप्शन में लिखा, हमारी असंभव प्रेम कहानी की शूटिंग खत्म। हमारा अनटाइटल्ड प्रोजेक्ट अक्टूबर 2023 में रिलीज होने के लिए तैयार है।

वनवे में नजर आएंगी चाहत खन्ना

एक वक्त था जब हिन्दी फिल्म उद्योग में रामसे ब्रदर्स के नाम का डंका बजता था। रामसे ब्रदर्स की हॉरर फिल्में बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर होती थी। उन्होंने कई फिल्मों का निर्माण किया। लम्बे समय से रामसे ब्रदर्स के नाम से कोई फिल्म बाजार में नहीं आई है। लेकिन अब इस परिवार के फिल्म निर्माता श्याम रामसे की बेटी साशा रामसे बतौर निर्देशक सामने आ रही हैं। इन दिनों वे फिल्म वन वे का निर्देशन कर रही हैं, जिसके जरिये संजय खान के बेटे अभिनेता जायद खान बॉलीवुड में वापसी करने जा रहे हैं। इस फिल्म में जैकलीन फर्नांडिस भी मुख्य भूमिका में हैं और एकता कपूर के सोप ओपेरा बड़े अच्छे लगते में दिखाई दी चाहत खन्ना भी नजर आएंगी। बड़े अच्छे लगते हैं की एक्ट्रेस चाहत खन्ना ने जैकलीन फर्नांडीस अभिनीत फिल्म वन वे का हिस्सा बनने के लिए अपनी

खुशी साझा की। उन्होंने कहा कि वह विभिन्न अवसरों की खोज करने और चुनौतीपूर्ण भूमिकाएं निभाने के लिए उत्सुक हैं। वन वे एक सुपरनेचुलर थ्रिलर है, जिसमें मैं हूं ना एक्टर जायद खान भी हैं और फिल्म निर्माता श्याम रामसे की बेटी साशा द्वारा निर्देशित है।

सलमान के लुंगी पहनकर डांस करने पर मचा बवाल

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान की फिल्मकिसी का भाई किसी की जान का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म के कई धमाकेदार गाने रिलीज हो चुके हैं। हाल ही फिल्म का गानायेंतम्मा रिलीज हुआ है। इस गाने में सलमान खान लुंगी पहनकर डांस करते दिख रहे हैं। गाने में सलमान खान के साथ साउथ सुपरस्टार राम चरण और वेंकटेश भी नजर आ रहे हैं। रिलीज के बाद से हीयेंतम्मा गाना सोशल मीडिया पर छाया हुआ है। फैस इस गाने को काफी पसंद भी कर रहे हैं। लेकिन साउथ के दर्शकों ने इस गाने पर आपत्ति जताई है। साउथ फैंस सलमान के लुंगी पहनकर डांस करने से नाराज हो गए हैं। लोगों का कहना है कि गाने में साउथ इंडियन कल्चर का अपमान किया गया है। गाने में सलमान खान और बाकी मेल कलाकार साउथ के त्योहारों की पारंपरिक पोशाक वेस्ती (धोती) पहने दिख रहे हैं। पूर्व भारतीय क्रिकेटर लक्ष्मण श्रीरामाकृष्णन ने इस पर आपत्ति जताई है। उन्होंने ट्विटर पर लिखा, यह हमारे साउथ इंडियन कल्चर का बहुत अपमान करने जैसा है। यह लुंगी नहीं है, यह धोती है। यह एक क्लासिकल आउटफिट है जिसे बहुत ही घटिया ढंग से दिखाया गया है। वहीं तमिल फिल्म क्रिटिक प्रशांत राणागस्वामी ने भी सलमान के डांस वीडियो का स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए लिखा, ये किस प्रकार का स्टेप है? ये लोग वेस्ती को लुंगी बता रहे हैं और घटिया डांस कर रहे हैं। बिलकुल बकवास। बता दें कि सलमा खान द्वारा निर्मित, सलमान खान फिल्म्स प्रोडक्शन किसी का भाई किसी की जान फरहाद सामजी द्वारा निर्देशित हैं। फिल्म में सलमान खान, वेंकटेश दग्गुबाती, पूजा हेगड़े, जगपति बाबू, भूमिका चावला, विजेंदर सिंह, अभिमन्यु सिंह, राघव जुयाल, सिद्धार्थ निगम, जस्सी गिल, शहनाज गिल, पलक तिवारी और विनाली भटनागर हैं।